मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, मंगलवार 10 नवंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-8, पृष्ठ-10, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरित की प्रदेश की 3 हजार से अधिक गौशालाओं के लिए 60 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि

मध्यप्रदेश को बनाएंगे दो साल में देश की मिल्क कैपिटल

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम सभी को प्रकृति के प्रति कृतज्ञ भाव रखते हुए उसका पूजन और संरक्षण करना चाहिए। गोवर्धन पूजा हमारी आस्था, परम्परा और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ अंगुली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और उनके पशुधन को जलप्रलय से बचाया था। मानवता की रक्षा और सामूहिक सहयोग का इससे उत्कृष्ट उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समाज से अलग नहीं है। सामाजिक आयोजनों में सरकार की भागीदारी जरूरी है इसलिए अब समाज के सभी प्रकार के आयोजनों में सरकार बढ़ चढ़कर शामिल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में श्वेत क्रांति 2.0 के माध्यम से डेयरी सहकारिता को मजबूत किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य अगले दो वर्षों में मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाना है। इसके लिए दुग्ध संकलन क्षमता 12 लाख से बढ़ाकर 52 लाख किग्रा प्रतिदिन करने का लक्ष्य लिया गया है। उन्होंने कहा कि गौसेवा के साथ पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि भी सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में गौ-एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाई जाएगी तथा आधुनिक और आत्मनिर्भर गौशालाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रदेशवासियों से गौवंश संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और गांवों को समृद्ध बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग और भागीदारी से ही हम आत्मनिर्भर मप्र का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्यस्तरीय गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए हमें उन्नत नस्ल के पशुओं (गौवंश) का पालन करना होगा। देशी गायों के अलावा गिर और साहीवाल गायों से अधिक दुग्ध उत्पादन होता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश को गुजरात की तर्ज पर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए भोपाल में उन्नत नस्ल की गायों के भ्रूण उत्पादन का केन्द्र खोलने की मंजूरी दे दी है। इस केन्द्र में 1 लाख भ्रूण प्रतिवर्ष पैदा किए जाएंगे। इससे प्रदेश में उन्नत नस्ल की गायों के पालन के अलावा दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि भोपाल के बरखेड़ी डोब में 10 हजार की गौवंश की क्षमता वाली एक हाईटेक गौशाला का निर्माण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना भी जरूरी है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत 25 दुधारु गाय या भैंसों की इकाई स्थापित करने पर 42 लाख रुपये तक की ऋण सहायता और 13 लाख 86 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। डेयरी क्षेत्र में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए पूरी डेयरी वैल्यू चेन नेटवर्क शत-प्रतिशत डिजीटल किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर सिंगल क्लिक से प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में निवासरत 5 लाख 51 हजार से अधिक गौवंश के भरण-पोषण के लिए कुल 65.66 करोड़ रुपये अनुदान राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रदेश के 466 उत्कृष्ट पशुपालकों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के रूप में कुल 2.95 करोड़ रुपये इनके बैंक खातों में अंतरित किए। मुख्यमंत्री ने मंच से प्रदेश के टॉप-10 पशुपालकों/ दुग्ध उत्पादकों, जिनमें श्री गौरव रघुवंशी, श्री ज्ञानेश्वर पटेल, श्री सुनील सिंह पंवार, श्री कुशल सिंह दांगी, श्री नर्मदा प्रसाद पटेल, श्री विक्रम सिंह मीणा, श्री रामबाबू, श्री छतरसिंह धाकड़, श्री राजेश पाटीदार, श्री मुकेश वर्मा, श्री मोहनलाल प्रसाद, श्री हरगोविंद पटेल एवं श्री संतोष कुमार को प्रशस्ति पत्र एवं 56 भोग की थाल भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौसेवकों/गौशाला संचालकों श्री प्रेमीचंद्र जैन, श्री सूरज परमार, श्री ब्रिजेश व्यास, श्री प्रहलाद दास मंगल को बीते कई सालों से गौसेवा में संलग्न रहने के लिए सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले के ग्राम तालोद के गौरव रघुवंशी की गिर गाय ने 19.760 लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने पुरस्कार विजेता सभी पशुपालकों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौपालन केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार भी है। भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला हमें प्रकृति के सम्मान, गौवंश के संरक्षण और समाज के साथ मिलकर चलने की सीख देती है। प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हमारा जीवन सुखी और समृद्ध रहेगा। श्रीकृष्ण ने 5 हजार साल पहले ही यह सुनिश्चित किया कि हमारी प्रकृति और वन और चराचर जगत पर सबका बराबर अधिकार है। श्रीकृष्ण ने सच्चे अर्थों में गौपालन को बढ़ावा दिया। उन्होंने गौमाता की सेवा से समाज को यह संदेश दिया कि ममतामयी माता के रूप में गौमाता मनुष्य के आर्थिक विकास की धुरी है। दूध के अलावा इसके गोबर से खाद बनती है। यही खाद जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को समृद्ध बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी निराश्रित गौमाताओं को निकटतम गौशालाओं में भेजा जा रहा है। गौशालाओं की मजबूती और गौशालाओं में संरक्षित गौवंश को पौष्टिक आहार देने के लिए प्रति गाय दी जाने वाली अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर अब 40 रुपये प्रति गाय कर दी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ खेती (कृषि) से ही समृद्धि नहीं आएगी, इसके लिए किसानी अर्थात पशुपालन (गाय, भैंस, बकरी पालन) सहित मछली पालन, उद्यानिकी फसलों का उत्पादन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती भी जरूरी है। राज्य सरकार इन सबको प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्राकृतिक खेती के मामले में मध्यप्रदेश देश में पहले नंबर पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब बड़े पशु मेले भी लगाए जाएंगे। इन पशु मेलों में कृषि एवं पशुपालन विभाग द्वारा उन्नत एवं आधुनिक कृषि यंत्रों सहित उन्नत नस्ल के गौवंश भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इससे किसानों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत नस्ल के पशुओं के पालन की जानकारी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में हम गीता भवन बना रहे हैं। हर साल गीता जयंती भी मना रहे हैं। साथ ही प्रदेश के 313 विकासखंडों में वृंदावन ग्राम भी विकसित कर यहां पशुपालकों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामराजा सरकार लोक के रूप में ओरछा में 400 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य हो रहे हैं, वहीं चित्रकूट में 2000 करोड़ रुपये के कार्य भी इस वक्त धरातल पर चल रहे हैं।

यूपी में ठंड बढ़ी, राजस्थान में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड

दिल्ली-NCR में आतिशबाजी से हवा खतरनाक स्तर पर, AQI 418



एजेन्सी, नई दिल्ली

दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-NCR की हवा की क्वालिटी गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। रविवार रात लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद सोमवार सुबह दिल्ली-NCR के कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के पटपड़गंज में AQI में 418, ITO पर AQI 406, राजीव चौक पर AQI 381 और साउथ एक्सटेंशन के आसपास के क्षेत्र में AQI 360 दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी समेत 10 शहरों में सोमवार को हवा का स्तर खतरनाक रहा। सुबह 7 बजे प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ का AQI 500 के पार पहुंच गया। यूपी में ठंड और कोहरे ने भी असर दिखाना शुरू कर दिया है। 15 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। रात का तापमान 15°C से नीचे लुढ़क गया है। मध्य प्रदेश में भी ठंड बढ़ रही है। रविवार रात भोपाल, इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 14°C से कम रहा।

कैंसर की 137 दवाएं आज से सस्ती

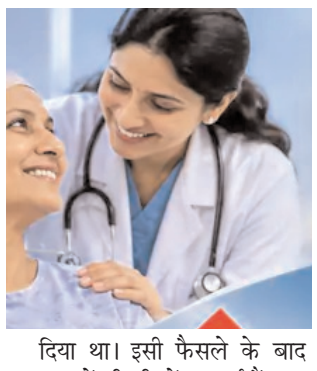
48 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 2700 की दवा मरीज को 27000 में मिलना नरसंहार जैसा

एजेन्सी, नई दिल्ली

कैंसर की 137 दवाएं आज (9 नवंबर) से सस्ती हो गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से ज्यादा घटाए गए हैं। सबसे ज्यादा 96.45% की कमी की गई है। कीमतें घटने से मरीजों को हर साल करीब 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है।

दरअसल, 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की रिटेलर कीमत और मैक्सिमम रिटेल प्राइज यानी MRP के बीच के मार्जिन पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था- 2700 की दवा मरीज को 27000 में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित (नॉन शिड्यूल्ड) कैंसर दवाओं पर कंपनियों का मुनाफा 30% तय कर



दिया था। इसी फैसले के बाद दवाओं की कीमतें कम हुई हैं।

विशेषज्ञ समिति ने की थी सिफारिश

कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी। समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की है। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

शिकायत के लिए एप

खरीदार दवा के पैकेट पर छपी बदली हुई कीमत देख सकते हैं और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप या ठढढअ की वेबसाइटके जरिए दवाओं की नई कीमत की पुष्टि कर सकते हैं। कोई भी केमिस्ट या अस्पताल की फार्मेसी, तय की गई कीमत से अधिक दाम नहीं वसूल सकती। यदि कोई अधिक कीमत वसूलता है या कीमतों से जुड़ी कोई अन्य शिकायत है, तो उपभोक्ता 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या NPPA की हेल्पलाइन नंबर 1800-111-255 पर संपर्क कर सकते हैं।

कैसे तय होती है दवा की कीमत

ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर जरूरी दवाओं की कीमत कंट्रोल करता है। 2013 के DPCO तहत नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स में शामिल दवाओं की अधिकतम कीमत सरकार तय करती है। बाजार में बिक रही दवाओं की कीमत के आधार पर जरूरी दवाओं की अधिकतम सीमा तय की जाती है। इससे ज्यादा कीमत पर दवा बेचना गैरकानूनी है।

दिवाली मनाने गांव जा रहा था परिवार

रास्ते में नदी में समाई कार एक ही परिवार के 4 की मौत



एक सत बुलेटिन, रायपुर

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के अभनपुर क्षेत्र में टीला एनीकट के समीप एक कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। परिवार दीपावली का त्योहार मनाने अपने गृहग्राम जा रहा था। पुलिस से आज मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर के लक्ष्मीनगर निवासी शीतल साहू (44 वर्ष) अपनी पत्नी भारती साहू, बेटे और बेटी के साथ कार से गरियाबंद जिले के पसौद स्थित अपने गृहग्राम जा रहे थे। रविवार रात करीब एक बजे अभनपुर के टीला एनीकट के पास पहुंचने के दौरान तेज रफ्तार कार अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और नदी में जा गिरी।

दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि कार में सवार शीतल साहू, उनकी पत्नी भारती साहू और दोनों बच्चों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नदी से चारों शवों को बाहर निकाला गया। आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। गोबरा नवापारा पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से की बातचीत

भारत ने फिर दोहराया- बातचीत और कूटनीति से निकले जंग का समाधान

एजेन्सी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने जारी संघर्ष पर चर्चा की। भारत और यूक्रेन के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी बात हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जारी संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर अपना दृष्टिकोण साझा किया।

बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने भारत के 'मानव-केंद्रित दृष्टिकोण' को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत का लगातार यही रुख रहा है कि इस संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिये होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए होने वाले हर प्रयास में भारत योगदान देने को तैयार है।

बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में भारत और यूक्रेन के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की।



इसका मकसद दोनों देशों के लोगों को आपसी रूप से लाभ पहुंचाना है।

फोन पर बातचीत के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ फोन पर उपयोगी बातचीत करके खुशी हुई। हमने अपने व्यापक द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। भारत और यूक्रेन के संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। उन्होंने आगे लिखा, जारी संघर्ष, इसके मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने के लिए किए जा रहे अलग-अलग प्रयासों पर अपना नजरिया साझा करने के लिए मैंने राष्ट्रपति जेलेंस्की का धन्यवाद किया। शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हरसंभव तरीके से योगदान देने की भारत की मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई।

बातचीत के बाद जेलेंस्की ने कहा कि भारत के लिए यह पहचानना जरूरी है कि युद्ध खत्म कराने में वह कौन-से कदम उठा सकता है। दूसरे नेताओं के साथ किस तरह की बातचीत कर सकता है, इस पर भी विचार करना जरूरी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारत खाद्य गलियारे बनाने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। हम उम्मीद करते हैं कि ये प्रयास जारी रहेंगे।

जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी को हाल के कूटनीतिक घटनाक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम अबू धाबी में होने वाली बैठक के एजेंडे के हर मुद्दे पर सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन हमेशा रचनात्मक रुख अपनाता रहा है। रूस को भी तनाव कम करने के लिए ऐसी ही तत्परता दिखानी चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा, प्रधानमंत्री (मोदी) ने कई बार, यहां तक कि सीधे रूसी नेता से भी कहा है कि अब युद्ध खत्म करने का समय है, इसे जारी रखने का नहीं। यह जरूरी है कि भारत पहचाने कि युद्ध खत्म कराने में वह कौन-से कदम उठा सकता है और दूसरे नेताओं के साथ किस तरह की बातचीत कर सकता है। जेलेंस्की ने कहा कि खाद्य सुरक्षा ऐसा ही एक क्षेत्र हो सकता है। उन्होंने कहा, हमने काला सागर के रास्ते अनाज के निर्यात को रूस की ओर से रोके जाने पर चर्चा की। भारत खाद्य गलियारे बनाने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। हम उम्मीद करते हैं कि ये प्रयास जारी रहेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस को समझना चाहिए कि समुद्री रास्ते बंद होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था और दुनिया भर के करोड़ों लोग प्रभावित हो रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, हम इस बात पर सहमत हुए कि हमारी टीमें इन और दूसरे द्विपक्षीय मुद्दों पर संपर्क में रहेंगी।

जेलेंस्की ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन से भी बातचीत की। रूस के लगातार हमलों के कारण यूक्रेन के कई शहरों और इलाकों में बिजली, पानी और हीटिंग (घरों को गर्म रखने) की सेवाओं पर गंभीर असर पड़ा है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मैंने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन से बात की। इस समय रूस के हमलों के कारण हमारे कई शहर और इलाके बिजली, पानी और हीटिंग की आपूर्ति को लेकर बहुत मुश्किल स्थिति का सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में स्वच्छ और आधुनिक परिवहन को मिलेगा नया विस्तार

ई-बसों के संचालन और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से ग्रीन मोबिलिटी को मिलेगी नई गति, वर्ष 2027 तक 1,100 बसों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य

एक सत बुलेटिन, भोपाल

प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा ग्रीन मोबिलिटी को नई दिशा दे रही है। सात शहरों में 351 बसों के संचालन से शुरू हुई इस सेवा के तहत इलेक्ट्रिक बसों, डिजिटल टिकटिंग और आधुनिक तकनीक के माध्यम से परिवहन व्यवस्था को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक बसों का बेड़ा बढ़ाकर 1,100 करना है। इसके लिए ई-बसों के संचालन के साथ चार्जिंग नेटवर्क, स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन सुविधाओं और आधुनिक डिपो का विस्तार किया जाएगा। इससे यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने के साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और प्रदेश में टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (टढ ढक्छ) ने इसके लिए बस संचालन, बिजली की जरूरत और यात्री सुविधाओं को जोड़कर प्रदेशव्यापी रूपरेखा तैयार की है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने, जरूरी सुविधाएं तैयार करने, पैसा जुटाने और बड़े स्तर पर सेवाएं शुरू करने की चुनौतियों का समाधान सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से किया जाएगा। नीतिगत सहयोग, निवेश के अवसर और साझा कार्ययोजना इसके प्रमुख आधार होंगे।

ई-बसों और चार्जिंग सुविधाओं का बढ़ेगा दायरा

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत ई-बसों की संख्या बढ़ाने के साथ चार्जिंग सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 11झ12 सितंबर 2026 को आयोजित 'यात्री परिवहन विजन समिट' के ग्रीन मोबिलिटी नोट में इस संबंध में संचालन और विस्तार की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई थी। इसके अंतर्गत प्रदेश में वर्तमान में 96 पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी ई-बसें संचालित हो रही हैं। आगामी छह माह में 520 अतिरिक्त बसें जोड़ने की योजना है, जबकि वर्ष 2027 तक कुल 1,100 बसों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इलेक्ट्रिक बसों के सुचारू संचालन के लिए वर्तमान में सात चार्जिंग केंद्र संचालित हैं। आगामी छह माह में नौ नए चार्जिंग केंद्र विकसित करने की योजना है। इस कार्ययोजना के माध्यम से बसों की संख्या बढ़ाने के साथ उनके नियमित और निर्बाध संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। रूट और और परिवहन आवश्यकताओं की जरूरत के अनुसार इलेक्ट्रिक बसों के साथ कम कार्बन उत्सर्जन वाले दूसरे ईंधन विकल्पों का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही शहरों के भीतर, शहरों के बीच, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।



प्रमुख परिवहन मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन किए जाएंगे विकसित

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत ई-बसों के संचालन के लिए प्रमुख परिवहन मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे। डिपो को पर्याप्त क्षमता वाले बिजली नेटवर्क से जोड़ने के साथ सौर सहित नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। स्मार्ट चार्जिंग, बैटरी चार्जिंग और बिजली के बेहतर प्रबंधन से संचालन को अधिक भरोसेमंद बनाया जाएगा। इसके साथ बैटरी बदलने की सुविधा, सुरक्षित रखरखाव, पर्यावरण के अनुकूल बस टर्मिनल और आधुनिक परिवहन केंद्र विकसित किए जाएंगे। चार्जिंग, ऊर्जा आपूर्ति और बस संचालन की योजना एक साथ तैयार की जाएगी, ताकि बढ़ते बेड़े की जरूरतें समय पर पूरी की जा सकें।

तकनीक से समय पर और भरोसेमंद सेवा

प्रदेश स्तरीय इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (क्ळ्टर), जीपीएस आधारित निगरानी, एकीकृत टिकटिंग और यात्री सूचना प्रणाली से बस सेवाओं को जोड़ा जाएगा। यात्रियों को बसों की लोकेशन और सेवा से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ संचालन के आंकड़ों का नियमित विश्लेषण किया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक से बसों की उपलब्धता, समय पर संचालन और सेवा की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद मिलेगी। एनसीसी (नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट) और तय नतीजों पर आधारित अन्य संचालन मॉडल में इस बात पर जोर रहेगा कि बसें अधिक समय सेवा के लिए उपलब्ध रहें। सुरक्षा मानकों का पालन हो। संचालन व रखरखाव बेहतर तरीके से हो।

अंतिम पड़ाव तक आसान होगी पहुंच

ग्रीन मोबिलिटी की रूपरेखा में शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आपस में जुड़ी परिवहन सेवाओं को महत्व दिया गया है। ऐसे वाहनों और यात्री सुविधाओं पर ध्यान रहेगा, जिनका सभी लोग आसानी से उपयोग कर सकें। मुख्य बस सेवा से जोड़ने वाली फीडर सेवाओं और साझा परिवहन को साथ लाया जाएगा। यात्रा की योजना, टिकट और भुगतान को एक व्यवस्था से जोड़ने पर भी काम होगा। इससे यात्रियों को अलग-अलग सेवाओं का उपयोग करने और अपने अंतिम पड़ाव तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी।

बैटरी के बेहतर उपयोग से रोजगार के अवसर

बैटरी के पूरे उपयोगकाल का प्रबंधन मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अंतर्गत बैटरी की स्थिति और क्षमता की निगरानी की जाएगी। बसों में उपयोग के बाद उपयुक्त बैटरियों को दूसरे कामों में लेने और बाद में रीसाइक्लिंग की व्यवस्था विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्थानीय स्तर पर सर्विसिंग और तकनीकी कौशल बढ़ाने से रखरखाव की सुविधाएं मजबूत होंगी। इससे बैटरी,चार्जिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य तकनीकी सेवाओं में प्रशिक्षित युवाओं के लिए हरित रोजगार के अवसर बनेंगे।

राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई दी

भोपाल । राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमारी धार्मिक आस्था, लोक परंपरा और प्रकृति के साथ सह अस्तित्व की जीवनशैली का प्रतीक है। गोवर्धन पूजन का उत्सव प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जिम्मेदारी का सामूहिक संकल्प है। राज्यपाल श्री पटेल ने अपने संदेश में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत की आराधना का प्रसंग, हमें प्रकृति की रक्षा और संतुलित उपयोग का संदेश देता है। आज जब पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चुनौती है, तब यह पर्व हमें हरियाली संवर्धन, जल संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें। अपने परिवेश में वृक्षारोपण एवं हरियाली को प्रोत्साहित करें। इस पर्व को भावी पीढ़ी में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और जागरूकता विकसित करने के संकल्प के रूप में मनाएँ। राज्यपाल ने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण का निर्माण संभव है।



गोवर्धन पूजा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और संरक्षण का संदेश : राज्यपाल श्री पटेल

दीपावली एवं छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन

एक सत बुलेटिन, भोपाल

दीपावली एवं छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इनमें गाड़ी संख्या 06587/06588 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलूरु-बरौनी-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल तथा गाड़ी संख्या 09039/09040 उधना-बरौनी-उधना स्पेशल ट्रेन शामिल हैं। इन दोनों स्पेशल ट्रेनों का भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहराव रहेगा।

1. गाड़ी संख्या 06587/06588 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलूरु-बरौनी-बेंगलूरु छावनी स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 06587 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलूरुझबरौनी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन बेंगलूरु से दिनांक 09.11.2026 से 30.11.2026 तक प्रत्येक सोमवार रात्रि 23:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बुधवार को भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर सुबह 08:40 बजे पहुंचेगी तथा 08:50 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात यह ट्रेन गुरुवार सुबह 07:30 बजे बरौनी स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 06588 बरौनीझबेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन बरौनी से दिनांक 12.11.2026 से 03.12.2026 तक प्रत्येक गुरुवार रात्रि 23:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन शनिवार को भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर मध्यरात्रि 00:50 बजे पहुंचेगी तथा 01:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात यह ट्रेन रविवार सुबह 10:30 बजे बेंगलूरु छावनी स्टेशन पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन का दोनों दिशाओं में येलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, रायचूर, कृष्णा, विकराबाद, सिकंदराबाद, काजीपेट, बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजार्पुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र एवं हाजीपुर स्टेशनों पर ठहराव रहेगा।

कोच संरचनाः इस ट्रेन में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी (2 AC) के 02 कोच, शयनयान श्रेणी (Sleeper) के 10 कोच, सामान्य श्रेणी (GS) के 06 कोच तथा एसएलआर/डी (SLR/D) के 02 कोच सहित कुल 20 कोच रहेंगे।

2. गाड़ी संख्या 09039/09040 उधना-बरौनी-उधना स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 09039 उधना-बरौनी स्पेशल ट्रेन दिनांक 10.11.2026 (मंगलवार) को उधना से दोपहर 15:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बुधवार को भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर रात्रि 02:20 बजे पहुंचेगी तथा 02:30 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात यह ट्रेन गुरुवार, 12.11.2026 को तड़के 04:00 बजे बरौनी जंक्शन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09040 बरौनी-उधना स्पेशल ट्रेन दिनांक 12.11.2026 (गुरुवार) को बरौनी जंक्शन से सुबह 08:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन शुक्रवार को भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर दोपहर 12:30 बजे पहुंचेगी तथा 12:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात यह ट्रेन शनिवार, 14.11.2026 को मध्यरात्रि बाद 01:30 बजे उधना पहुंचेगी।

त्यौहारों पर गोरखपुर एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आगामी पूजा त्यौहारों के दौरान रेल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) के मध्य 02-02 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के बीना, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 05097 गोरखपुर - लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेनः

गाड़ी संख्या 05097 गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन दिनांक 11.11.2026 एवं 18.11.2026 (प्रत्येक बुधवार) को गोरखपुर स्टेशन से रात 20:55 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन खलीलाबाद 21:52 बजे, बस्ती 22:58 बजे, गोंडा 00:15 बजे, लखनऊ 03:25 बजे, कानपुर सेंट्रल 05:55 बजे, उरई 07:45 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 09:55 बजे, पश्चिम मध्य रेल के बीना दोपहर 14:00 बजे, भोपाल शाम 16:20 बजे, इटारसी रात 18:10 बजे पहुंचेगी तथा खंडवा रात 22:00 बजे, भुसावल मध्यरात्रि 00:05 बजे, नासिक रोड 03:47 बजे, कल्याण सुबह 07:27 बजे, ठाणे 07:50 बजे होते हुए शुक्रवार को सुबह 08:30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुँचेगी।



गाड़ी संख्या 05098 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गोरखपुर स्पेशल ट्रेनः

वापसी में गाड़ी संख्या 05098 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 13.11.2026 एवं 20.11.2026 (प्रत्येक शुक्रवार) को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन ठाणे 12:50 बजे, कल्याण 13:17 बजे, नासिक रोड शाम 17:37 बजे, भुसावल रात 21:25 बजे, खंडवा मध्यरात्रि 00:02 बजे तथा अगले दिन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी तड़के 03:35 बजे, भोपाल सुबह 05:20 बजे, बीना सुबह 07:40 बजे पहुंचेगी एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी 11:40 बजे, उरई दोपहर 13:58 बजे, कानपुर सेंट्रल 15:45 बजे, लखनऊ शाम 18:15 बजे, गोंडा रात 21:25 बजे, बस्ती रात 22:35 बजे, खलीलाबाद रात 23:05 बजे होते हुए शनिवार को रात 23:50 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुँचेगी।

कोच कंपोजिशनः इस विशेष ट्रेन में आधुनिक एलएचबी रैक के कुल 20 कोच रहेंगे, जिनमें 07 वातानुकूलित श्री-इकोनॉमी (3-Economy), 07 शयनयान श्रेणी (Sleeper), 04 सामान्य श्रेणी (General), 01 जनरेटर कार एवं 01 एसएलआरडी (SLRD/ दिव्यांगजन अनुकूल) कोच शामिल हैं।

यात्रीगण इस स्पेशल ट्रेन के ठहराव, समय-सारणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे की अधिकृत वेबसाइट, NTES ऐप अथवा रेल मदद 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत की पहचान है, गौमाता से जीवन को जोडे : मुख्यमंत्री यादव

तिलकेश्वर महादेव गौशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवर्धन पूजा की

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में तिलकेश्वर महादेव गौशाला में विधि विधान से गौवर्धन पूजा की व गौ माता को गुड़ रोटी खिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली है। इस नगरी का गौरवशाली अतीत है। उन्होने कहा कि गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति की पहचान है। यह गुरु गोरखनाथ के नाम पर की जाती रही है। सनातन धर्मावलंबी दीपावली का त्यौहार गौधन का पूजन कर मनाते है। समय की आवश्यकता है कि गौमाता की पूजा के साथ प्रत्येक व्यक्ति गौमाता को पाले।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर सिंहस्थ में आने वाले 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रबंधन के लिए तैयार हो रहा है। पूरे शहर में 500 कि.मी. से अधिक सडके बन रही है। तिलकेश्वर महादेव के पास स्थित वाल्मिकी धाम में नया पुलिस थाना भी बनाया जाएगा।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिप्रा में पवित्र स्नान के लिए नए घाटों कानिर्माण करते हुए उन घाटों पर सुगम पहुंच मार्ग की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहर के लोगों को आवाहन किया है कि वे भी अपनी ओर से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं का खुले मन से स्वागत करें। यहां आने वाला हर एक श्रद्धालु एक अनूठे आतिथ्य सत्कार का अनुभव लेकर लौटे। मुख्यमंत्री ने नगर के लोगों से अपील की है कि वे अपनी खाली जमीन पर टेंट सिंटी, घरों में नए कमरे, होटल व होमस्टे बनाकर अतिथियों को सुविधा उपलब्ध कराए, इससे उन्हें अतिरिक्त आय भी होगी।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज ने भी संबोधित किया। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, यूडीए अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, श्री नारायण यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल, श्री राकेश पंड्या, श्री रामनाथ जी महाराज, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती, डॉ. प्रभुलाल जाटवा, श्री जयसिंह दरबार, श्री जितेन्द्र अग्रवाल, संभागायुक्त श्री आशीषसिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआई श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं गौपालक उपस्थित थे।

बरही अग्नि हादसे की 30 दिन में पूरी होगी मजिस्ट्रियल जांच, दोषियों पर होगी कार्रवाई : प्रभारी मंत्री श्री सिंह

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरही अग्नि हादसा में छह लोगों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह सोमवार को बरही पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर शोकाकुल परिवारजनों से भेंट की।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने शोक संतप्त परिजन से मुलाकात कर छह सदस्यों के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया तथा उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई किसी भी प्रकार से संभव नहीं है। इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन और स्थानीय विधायक से चर्चा कर प्रत्येक मृतक के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कलेक्टर श्री आशीष तिवारी को घटना की परिस्थितियों, राहत एवं बचाव कार्यों में संभावित लापरवाही के सभी पहलुओं की मजिस्ट्रियल जांच 30 दिन में पूरी करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरही पहुंचे और अग्नि हादसे में उपचाररत 43 वर्षीय श्री रितेश अग्रवाल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर इलाज और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान विजयराघवगढ़ विधायक श्री संजय सत्येंद्र पाठक, कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य, एसडीएम विजयराघवगढ़ श्री विवेक गुप्ता, एसडीएम कटनी श्री जितेंद्र पटेल एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्री पीयूष अग्रवाल उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन एवं गौपूजन कार्यक्रम आयोजित

गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के तहत पशुपालकों को किया सम्मानित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा नृसिंह दास जी महाराज के आश्रम में जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन एवं गौपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन भी उपस्थितजनों ने सुना। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की उप संचालक डॉ. ज्योति तिवारी तथा नृसिंह देवाचार्य महाराज उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गेहलोत ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के महत्व और उसके संरक्षण का संदेश देती है। हरित क्रांति के बाद देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है, लेकिन अब प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर लौटने की आवश्यकता है। इसके लिए रासायनिक खादों पर निर्भरता कम कर जैविक संसाधनों और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि गायें प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण आधार हैं। वृंदावन ग्राम योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 500 से अधिक पशुधन क्षमता वाली वृंदावन गौशाला स्थापित करने की पहल की जा रही है। उन्होंने हर घर में गाय और हर खेत में जैविक खाद का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उप संचालक डॉ. ज्योति तिवारी ने वृंदावन ग्राम योजना एवं गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में जिले के चार नंदलाल ग्रामों गौरहा भिटौनी, बेलखेड़ा एवं पड़वार के पशुपालकों ने भारतीय नस्ल की गायों के दुग्ध उत्पादन के आधार पर भाग लिया। प्रतिदिन छह लीटर से अधिक दूध देने वाली गायों को प्रतियोगिता के लिए पात्र माना गया। इसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख, द्वितीय 50 हजार तथा तृतीय पुरस्कार 25 हजार रुपये निर्धारित किया गया था। उन्होंने बताया कि बेलखेड़ा के तीन, गौरहा भिटौनी के दो और पड़वार के एक पशुपालक ने पुरस्कार प्राप्त किया। गौरहा भिटौनी की महिला पशुपालक श्रीमती कल्लो बाई की गाय ने प्रतिदिन 8.06 लीटर दूध देकर जिले में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य अच्छी नस्ल की गायों के पालन, नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है।

नृसिंह देवाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला प्रकृति संरक्षण, गौवंश की रक्षा और मानव कल्याण का संदेश देती है। गोवर्धन पूजा हमें अपनी परंपराओं, प्रकृति और गौमाता के प्रति कृतज्ञता एवं सेवा का भाव रखने की प्रेरणा देती है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा गौवंश संरक्षण और गौशालाओं के संचालन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की।

पुरस्कार राशि सिंगल क्लिक से खातों में अंतरित

कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के अंतर्गत दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार राशि, प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में गौरहा भिटौनी की महिला पशुपालक श्रीमती कल्लो बाई की गाय ने प्रतिदिन 8.081 लीटर दूध देकर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार ग्राम गौरहा भिटोनी से श्री घसीटा पटेल, ग्राम बेलघेड़ा से श्री चतुरभुज सिंह, श्री पवन एवं श्री आनंद तथा ग्राम पड़वार से श्री विकास उपाध्याय को भी सम?मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की क्रमशः एक लाख, 50 हजार एवं 25 हजार रुपये की राशि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से विजेताओं के बैंक खातों में अंतरित की गई। इस अवसर पर सनातन धर्म महासभा के महामंत्री श्री अशोक मनोध्याय, पार्षद श्रीमती सोनिया सिंह, गीताधाम गौशाला के पदाधिकारी सहित पशुपालक, गौशाला संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी तथा पशु चिकित्सक उपस्थित थे।

जबलपुर में जरी-गोटे की दुकान में भीषण आग:लाखों का सामान जलकर राख; 6 दमकल वाहनों ने पाया काबू



जबलपुर। लार्डगंज में स्थित जरी-गोटे की एक दुकान में रविवार रात करीब 3 बजे भीषण आग लग गई। आग से दुकान में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी मिलते ही दुकान संचालक विनोद कुमार मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब डेढ़ से दो घंटे की मशक्कत के बाद 5 से 6 दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

हिना परसवानी ने बताया कि विनोद जरी-गोटेवाला की दुकान उनके घर से लगी हुई है। रात करीब 3 बजे अचानक कपड़े जैसी किसी चीज के जलने की बदबू आई। छत पर जाकर देखा तो बगल की दुकान में आग लगी हुई थी और धुआं उठ रहा था। उन्होंने तुरंत लार्डगंज थाना पुलिस को सूचना दी। हिना के मुताबिक, आग तेजी से फैल रही थी। दमकल की 5 से 6 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान संचालक विनोद कुमार ने बताया कि रात 10 बजे दीपावली की पूजा करने के बाद वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। रात करीब 3 बजे लार्डगंज थाने से फोन आया कि दुकान के चौथे फ्लोर पर आग लग गई है। वह तुरंत मौके पर पहुंचे तो देखा कि चौथे फ्लोर पर आग लगी हुई थी और वहां रखा लाखों रुपए का सामान जल रहा था। विनोद का कहना है कि संभवतः आतिशबाजी के कारण दुकान में आग लगी है। हिना परसवानी ने बताया कि विनोद जरी-गोटेवाला की दुकान उनके घर से लगी हुई है। रात करीब 3 बजे अचानक कपड़े जैसी किसी चीज के जलने की बदबू आई। छत पर जाकर देखा तो बगल की दुकान में आग लगी हुई थी और धुआं उठ रहा था। उन्होंने तुरंत लार्डगंज थाना पुलिस को सूचना दी। हिना के मुताबिक, आग तेजी से फैल रही थी। दमकल की 5 से 6 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्रबंधक ट्रस्टी पद पर पुष्पेंद्रसिंह की नियुक्ति बरकरार, खंडवा कोर्ट के फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक ट्रस्टी पद पर राव पुष्पेंद्रसिंह की नियुक्ति को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति विवेक जैन की पीठ ने ज्येष्ठाधिकार के आधार पर फैसला सुनाते हुए राव विनय प्रतापसिंह की अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने खंडवा जिला न्यायालय के फैसले को पूरी तरह सही माना। इस फैसले के बाद राव पुष्पेंद्रसिंह मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधकीय दायित्वों को संभालते रहेंगे।

जिला न्यायालय के फैसले को रखा बरकरार

इस मामले की शुरूआत 4 सितंबर, 2025 को तत्कालीन प्रबंधक ट्रस्टी राव देवेंद्रसिंह के निधन के बाद हुई थी। वर्ष 1999 में अदालत ने राव देवेंद्रसिंह को ट्रस्टी नियुक्त किया था। बाद में सदस्यों की सहमति से उन्होंने स्थायी प्रबंधक ट्रस्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके निधन से पद खाली होने पर राव पुष्पेंद्रसिंह ने उत्तराधिकार और ज्येष्ठाधिकार के आधार पर जिला न्यायालय में दावा किया था। 25 नवंबर, 2025 को तत्कालीन जिला न्यायाधीश अनिल चौधरी ने राव पुष्पेंद्रसिंह के पक्ष में फैसला सुनाया था।

जिला न्यायालय ने सही आधार पर की नियुक्ति

राव विनय प्रतापसिंह ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि ज्येष्ठाधिकार के नियम अनुसार परिवार की वरिष्ठ शाखा का सदस्य ही प्रबंधक न्यासी पद का अधिकारी होता है। अदालत ने माना कि परिवार की वरिष्ठ शाखा के सदस्य राव शिवशरणसिंह के बड़े पुत्र राव पुष्पेंद्रसिंह की नियुक्ति जिला न्यायालय ने सही आधार पर की थी।

ओंकारेश्वर पहुंचने पर समर्थकों ने किया स्वागत

राव पुष्पेंद्रसिंह के ओंकारेश्वर पहुंचने पर समर्थकों, ब्राह्मणों और मंदिर कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने मंदिर में भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और अभिषेक किया।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह गोवर्धन पूजन एवं गौपूजन कार्यक्रम में हुए शामिल



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह आज नृसिंह दास जी महाराज के आश्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आयोजित गोवर्धन पूजन एवं गौपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से गोवर्धन पूजन एवं गौपूजन किया।

कार्यक्रम में नृसिंह देवाचार्य जी महाराज, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केसरवानी, कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गेहलोत तथा पशुपालन विभाग की उप संचालक डॉ. ज्योति तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सर्द सीजन में पहली बार 13.4 डिग्री पर पारा, जबलपुर समेत आसपास के जिलों में अब जोर पकड़ेगी ठंड



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

दिन में हल्की गर्माहट के बीच रात में ठंड का असर बढ़ रहा है। हवा का रुख उत्तरी-पूर्वी हो गया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री दर्ज किया गया।

रात का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

वहीं सर्द सीजन में पहली बार रात का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके पहले छह नवंबर को न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस था।

आसपास के क्षेत्रों के ऊपर वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण

मौसम विभाग के अनुसार जबलपुर और आसपास के जिलों में सर्दी अभी जोर पकड़ेगी। वर्तमान में उत्तर हरियाणा एवं आसपास के क्षेत्रों के ऊपर वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ओडिशा, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड से गुजर रही द्रोणिका

उत्तर-पश्चिमी राजस्थान एवं आसपास के क्षेत्रों के ऊपर भी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। एक द्रोणिका दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश से उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश तक विस्तृत है, जो ओडिशा, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड से होकर गुजर रही है।

मैदानी इलाकों में ठंड का असर बढ़ने लगेगा

एक नया पश्चिमी विक्षोभ 10 नवंबर की रात्रि से उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। इसके प्रभाव से हिमालय में बर्फबारी होगी और मैदानी इलाकों में ठंड का असर बढ़ने लगेगा।

जबलपुर रेलवे स्टेशन की अब ड्रोन से होगी निगरानी प्लेटफॉर्म से यार्ड तक सुरक्षा व्यवस्था पर रहेगी नजर





एक सत बुलेटिन, जबलपुर

त्योहारों और अन्य मौकों पर रेलवे स्टेशन पर किसी तरह की घटना या संदिग्ध गतिविधि न हो, इसके लिए आरपीएफ ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की है। अब आरपीएफ ड्रोन कैमरे के जरिए जबलपुर रेलवे स्टेशन और आसपास के महत्वपूर्ण रेल परिसरों की निगरानी करेगी। दीपावली और अन्य पर्वों के दौरान विशेष रूप से यह निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

आरपीएफ थाना प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि रेलवे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और स्टेशन क्षेत्र में लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय-समय पर जबलपुर रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से ड्रोन कैमरे का संचालन किया जाएगा।

ड्रोन के माध्यम से रविवार को शाम 4:50 बजे से 5:20 बजे तक कुल 30 मिनट स्टेशन और आसपास के महत्वपूर्ण रेलवे परिसरों का निरीक्षण एवं निगरानी की गई।

इस दौरान जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 6 तक, सकुर्लेटिंग एरिया क्रमांक 1 एवं 6, वीआईपी साइडिंग, ओल्ड शंटिंग लाइन, जबलपुर रेलवे यार्ड और महाप्रबंधक (जीएम) कार्यालय परिसर को कवर किया गया।

ड्रोन कैमरे से की गई निगरानी के दौरान इन सभी क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, असामान्य हलचल या सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधि नजर नहीं आई। आरपीएफ के अनुसार, ड्रोन निगरानी अभियान शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संपादकीय

फैसलों की आर्थिक स्पष्टता

आर्थिक स्रोतों की पैरवी में अदालत से मिली गारंटी का एहसास हिमाचल को नए सफर की कहानी बता रहा है। ताजातरीन उदाहरण सुप्रीम कोर्ट से आए फैसले का आर्थिक निर्देश है जिसके तहत अगले बीस साल 1197.3 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति होगी। पंजाब पुनर्गठन से मिली रसीदें जहां गुम थीं, वहां हिमाचल की हिस्सेदारी यानी 7.19 प्रतिशत पर दावेदारी अगर मिली है, तो यह न्याय का वरदान है। भुगतान की कश्तियां जहां डूबी थीं, वहां विभिन्न सरकारें 1996 से ही सुप्रीम कोर्ट से हक मांग रही थीं। फैसले की आमद से पंजाब को 60 फीसदी और हरियाणा को 40 फीसदी की अदायगी करनी होगी। जाहिर है पंजाब पुनर्गठन की फाइलों के प्रति हिमाचल का रवैया शुरूआत में ढीला और औपचारिक ही रहा है। हम अगर 7.19 प्रतिशत की हैसियत में पंजाब पुनर्गठन को टटोलते तो आज स्थिति भिन्न होती। यह उस दौर की कहानी है जब यहां की राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की बहस में खुद को समेट रही थी। पंजाब पुनर्गठन केवल कुछ पहाड़ी इलाकों को हिमाचल में शामिल करना नहीं था, बल्कि इनकी वजह से आ रही ऊर्जा को अंगीकार करना था।

अगर उसी वक्त हिमाचल 7.19 प्रतिशत की दर से अपने अधिकारों की पैरवी करता, तो आज तस्वीर दूसरी होती। पहले केंद्र शासित राज्य के दस्तूर में अपनी हैसियत मापते रहे और फिर विशेष राज्य के दर्जे में केंद्र के पिछलग्गू बन गए। पहली बार हिमाचल ने अपनी अस्मिता से जल संसाधन तब जोड़े, जब शांता कुमार की पैरवी से प्रदेश को बारह प्रतिशत मुफ्त बिजली की सबसिडी मिली। इसके बाद धूमल सरकार ने विद्युत राज्य बनने की कसौटियां तय कीं, जबकि हाल के दिनों में सुक्खू सरकार ने अधिकारों के हिमाचली रहट चला दिए। इसी कड़ी में वाटर सेस और शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक पर हिमाचल ने अपने सारे तर्क बदले हैं। करछम-वांगतू जल विद्युत परियोजना से मुफ्त बिजली पाने के अधिकार अगर बारह से 18 प्रतिशत हुए, तो अब स्पष्ट है कि यह नए दौर की आर्थिक संरचना है।

अदालत के जरिए हिमाचल ने न केवल जेएसडब्ल्यू से अपने हिस्से की बिजली हासिल की, बल्कि होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल के मालिकाना हक से करीब चार सौ करोड़ के वित्तीय लाभ भी प्राप्त किए। अदालती मामलों की फेहरिस्त में किशाऊ बांध परियोजना में आया फैसला दरअसल हिमाचल के तर्क और अधिकारों की बुनियाद को पुख्ता कर गया है। पहाड़ी राज्यों की आर्थिकी को रेखांकित करने का जो फैसला शांता कुमार सरकार के दौर में मुफ्त बिजली की रायल्टी को सुनिश्चित कर गया, उसी तर्ज पर किशाऊ बांध परियोजना के अदालती निर्देश आगे की राह तय करने में सहयोगी होंगे। इस परियोजना में बिना कोई धेला गंवाए अगर हिमाचल के विद्युत अधिकार सुनिश्चित हो रहे हैं, तो आने वाले समय में फैसलों की स्पष्टता से हिमाचल अपने संघर्ष को पुख्ता कर पाएगा।

पंजाब पुनर्गठन के पार्टनर के रूप में हमारी हिस्सेदारी के कई संदर्भ अभी गुम हैं और जिस दिन देश स्पष्टता से समझेगा, हिमाचल की आर्थिक राहें सुनिश्चित होंगी। बहरहाल फैसले का जश्न जिस सियासी टोकरी में हो रहा है, वह अनावश्यक है। बेशक रिकार्ड के रूप में सुक्खू सरकार का दौर याद किया जाएगा, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने की पगडंडियों पर वर्षों से कदमताल होता रहा है। अंतर यह है कि वर्तमान सरकार अदालत के समक्ष अपनी जिरह, जरूरत और हक के प्रति निर्भीक हुई है। हम केंद्र के अच्छे बच्चे बने रहने की भूल में समय और जरूरत को तरजीह नहीं दे पाए। यही वजह है कि बाकी पर्वतीय राज्यों के मुकाबले हिमाचल को वाटर सेस जैसे अधिकार से आज भी दूर रहना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में लीज समाप्त होने के बावजूद शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक हासिल नहीं हुआ, जबकि इससे साल में ही हिमाचल को करीब तीन सौ करोड़ हासिल होंगे। बेहतर होगा हिमाचल अपनी ओर से पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी को विभिन्न लाभों की दृष्टि अनूदित करे। जिस दिन हिमाचल की आत्मनिर्भरता के संकल्प पुख्ता होंगे, आर्थिकी के सारे अधिकार सामने आ जाएंगे।

बढ़ती विकास दर घटती खुशहाली

सत्यपाल वशिष्ठ

> आर्थिक विकास की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि देश की जीडीपी कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि इससे भी कि आम आदमी की आय कितनी बढ़ी, उसे कितना सुरक्षित रोजगार मिला, उसकी बचत में कितना सुधार हुआ और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक तथा पेयजल जैसी सुविधाएं कितनी बेहतर मिलीं। राष्ट्रीय समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक विकास की चमक देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लेकर आए।

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की विकास दर का ऊंचा बने रहना निश्चित रूप से उत्साहजनक है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की अनुमानित विकास दर को भी 6.6 प्रतिशत से संशोधित करके 7 प्रतिशत कर दिया है। ये आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और विकास की संभावनाओं को दशार्ते हैं। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ह्यगरीबी एवं समानता रिपोर्टह्ल के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवनयापन करने वाले लोगों का अनुपात वर्ष 2011 में 27.1 प्रतिशत था, जो वर्ष 2023 में घटकर मात्र 2.6 प्रतिशत रह गया है। यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रिपोर्ट में बढ़ती खपत, रोजगार के अवसरों और खाद्य सब्सिडी सहित विस्तारित सामाजिक कल्याण योजनाओं के योगदान को भी स्वीकार किया गया है। लेकिन वर्तमान में स्थायी रोजगार के अभाव और महंगाई से त्रस्त जनता को देखते हुए इन उत्साहजनक आंकड़ों के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा होता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है तो आम नागरिक का जीवन आर्थिक रूप से आसान होने के बजाय कठिन क्यों होता जा रहा है? विकास दर में वृद्धि और आम आदमी की आर्थिक खुशहाली के बीच दिखाई देने वाला यह अंतर गंभीर विचार-विमर्श की मांग करता है।

इन उपलब्धियों के उत्साह में उन चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जो आज भी हमारे सामने मौजूद हैं। वर्ष 2026 के वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 122 देशों में भारत का 100वां स्थान इस बात की याद दिलाता है कि आर्थिक विकास अपने आप पर्याप्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की गारंटी नहीं देता। विश्व बैंक की रिपोर्ट भी लगातार बनी हुई आर्थिक असमानताओं की ओर संकेत करती है। मजदूरी में असमानता अब भी बनी हुई है। सरकारी नौकरियों के लिए लंबी कतारें देश में रोजगार की स्थिति को दशार्ती हैं। नियमित वेतन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और अपेक्षाकृत स्थायी रोजगार की संभावना युवाओं को सरकारी नौकरियों की ओर आकर्षित करती है। युवाओं की परेशानी केवल नौकरी न मिलने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके माता-पिता ने जीवनभर की बचत उनकी शिक्षा पर खर्च की होती है। इसके बावजूद जब उन्हें योग्यता के अनुरूप सुरक्षित रोजगार नहीं मिलता तो परिवारों में निराशा बढ़ती है। जीडीपी देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य में वृद्धि को मापती है, लेकिन यह नहीं बताती कि इस अतिरिक्त आय का वितरण समाज के विभिन्न वर्गों के बीच किस प्रकार हुआ है। यह भी जरूरी नहीं कि उत्पादन बढ? के अनुपात में रोजगार के अवसर बढ़ें। पूंजी प्रधान उद्योगों और तकनीक आधारित गतिविधियों से उत्पादन तथा कंपनियों का मुनाफा तेजी से बढ़ता है, लेकिन उनमें प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन अपेक्षाकृत कम होता है। यदि कंपनियों के मुनाफे में तेजी से वृद्धि हो और कर्मचारियों के वेतन में अपेक्षित सुधार न हो तो आर्थिक विकास का लाभ सीमित वर्ग तक सिमटकर रह जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में महंगाई आम आदमी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के अक्टूबर 2026 के अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू बजट प्रभावित होता है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। इन परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन, किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर खर्च हो जाता है।

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि उनके घरेलू बजट को असंतुलित कर देती है। आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को समझने के लिए उनकी घटती बचत और बढ़ती कर्ज निर्भरता पर भी ध्यान देना आवश्यक है। क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार जिन लोगों ने गोल्ड लोन लिया है उनमें से 20 प्रतिशत वो लोग हैं जिनका पर्सनल लोन विलंबित है। पांच में से एक गोल्ड लोन उधार लेने वाला जेन जेड है जिन्होंने अपने माता-पिता के गोल्ड की एब्स में उधार लिया है। गोल्ड लोन वे लोग ले रहे हैं जो पहले खुशहाल स्थिति में थे। यदि परिवार अपनी नियमित जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने लगें तो यह घरेलू आर्थिक दबाव का संकेत हो सकता है। बचत में कमी और कर्ज पर बढ़ती निर्भरता भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी बढ़ती जीवनयापन लागत, सार्वजनिक सेवाओं पर खर्च में कमी और आर्थिक असमानता के विरुद्ध लोगों का असंतोष सामने आ रहा है। आम नागरिक यदि स्थिर आय के अभाव, बढ़ती कीमतों और असुरक्षित रोजगार के बीच संघर्ष करता रहे तो ऊंची विकास दर उसके लिए अपेक्षित खुशहाली का आधार नहीं बन सकती। इसलिए सरकार की प्राथमिकता केवल जीडीपी वृद्धि की गति बनाए रखने के साथ-साथ स्थायी रोजगार सृजन, कृषि क्षेत्र की मजबूती, महंगाई पर नियंत्रण, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और आम नागरिक की बचत बढ़ाने की भी होनी चाहिए। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ऐसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, जो अधिक रोजगार पैदा कर सकें। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध करवाना और छोटे उद्यमों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना भी जरूरी है।

अंततः आर्थिक विकास की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि देश की जीडीपी कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि इससे भी कि आम आदमी की आय कितनी बढ़ी, उसे कितना सुरक्षित रोजगार मिला, उसकी बचत में कितना सुधार हुआ और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक तथा पेयजल जैसी सुविधाएं कितनी बेहतर मिलीं। राष्ट्रीय समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक विकास की चमक देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लेकर आए।

विदेशी सोशल मीडिया पर अंकुश है जरूरी

डा. अश्विनी महाजन

रोजाना 3.5 अरब से ज्यादा सक्रिय यूजर्स इसके विभिन्न ऐप्स पर मौजूद हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और थ्रेड्स को एक साथ जोडकर, मेटा कंपनी संचार के प्रमुख माध्यमों को नियंत्रित करती है। अकेले फेसबुक और इंस्टाग्राम का भारत में कुल सोशल मीडिया वेब ट्रैफिक में 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा है। मेटा का डिजिटल विज्ञापन नेटवर्क, डेटा इका करने की प्रक्रिया और सार्वजनिक सूचनाओं के प्रवाह पर भारी नियंत्रण है। सामान्य तौर पर सरकारें सोशल मीडिया कंपनियों के कुकृत्यों के बाद ही उन पर अंकुश लगाने की बात सोचती हैं, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो जाता है। उदाहरण के लिए इस बात का आभास होते ही कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म प्रदर्शन को अधिक महत्व दे रहे हैं, नेपाल में, सितंबर 2025 में फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कई देशों में सत्ता परिवर्तन देखे हैं, जिनमें बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल प्रमुख हैं। इन देशों में हुए सत्ता परिवर्तनों में एक बात समान थी- सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन, जिन्हें सोशल मीडिया के जरिए और हवा मिली। इन देशों में नागरिकों को उद्वेलित करने मे सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया के एल्गोरिदम ने इन चचाओं को और तेज कर दिया। श्रीलंका में, इन विरोध-प्रदर्शनों के कारण अंततः राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा। बांग्लादेश में, चुनी हुई प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोडकर भागना पड़ा। नेपाल का ह्यजेन-जीह्ल आंदोलन भी इससे कुछ अलग नहीं था। वहां भी, सोशल मीडिया ने खराब शासन, भ्रष्टाचार, राजनीतिक जवाबदेही और बेरोजगारी से जुड़ी चचाओं को बढ़ावा दिया। नेपाल में, युवा प्रदर्शनकारियों को एकजुट करने और सूचनाएं फैलाने में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। साथ ही इसका इस्तेमाल आधिकारिक बयानों को चुनौती देने के लिए भी किया गया। यह आंदोलन सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के साथ समाप्त हुआ।

एक बड़ी चिंता यह है कि जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी तकनीक का इस्तेमाल सरकारों को जवाबदेह ठहराने के लिए करते हैं, वहीं इन प्लेटफॉर्म्स की खुद की जवाबदेही तय करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। यहां तक कि जब इन प्लेटफॉर्म्स का गलत आचरण सामने आता है, तब भी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करना संभव नहीं होता। भारत सरकार के पास इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाईडलाईंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियमावली 2021 के अंतर्गत नियम 4 (2) के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, सार्वजनिक व्यवस्था (पब्लिक ऑर्डर) और यौन अपराधों या बच्चों के यौन शोषण से संबद्ध कुछ संगीन अपराधों के संदर्भ में यह अधिकार है कि संदेश के प्रारंभ कर्ता की पहचान कर सके और अपराधियों को दंड दे सके। नियम में यह भी प्रावधान है कि ऐसा तब किया जाएगा जब कम सख्त तरीके प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाएं। गौरतलब है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म निजता के नाम पर नियमों को भी मानने से इंकार करते हैं। न्यायालय में सुनवाई के दौरान एक बार फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया कंपनी ह्यमेटाह्ल के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने बयान दिया था, कि यदि उन्हें एंड टू एंड एन्क्रिप्शन समाप्त करने के लिए बाध्य किया जाएगा तो वह भारत से निकल जाएंगे, यानी इन सोशल मीडिया सेवाओं को भारत में समाप्त कर देंगे। उनके इस बयान से यह समझा जा सकता है कि भारत सरकार उन्हें कुछ हिदायत दे रही है, जिनका वे पालन नहीं करना चाहते और इसलिए अपने इस बयान से जनता में राय बनाते हुए भारत सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं कि वो उन पर अंकुश न लगाए।



क्या है एंड टू एंड एन्क्रिप्शन और क्या हैं भारतीय नियम? : मेटा का कहना है कि व्हाट्सएप द्वारा भेजे गए संदेश एंड टू एंड एन्क्रिप्टिड, यानी एक सिरे से दूसरे सिरे तक गुप्त होते हैं, यानी सिर्फ वही व्यक्ति जिसे आप मैसेज भेज रहे हैं, वही आपके मैसेज पढ़ सकते हैं। इसके साथ ही आपकी वॉइस कॉल और वीडियो कॉल भी एंड टू एंड एन्क्रिप्टिड होती है। अब जब भारत सरकार संगीन अपराधों के लिए व्हाहट्सएप से जानकारी मांगती है तो एंड टू एंड एनक्रिप्शन यानी निजता का हवाला देकर, व्हाट्सएप उससे बचना चाहता है।

दूध की धुली नहीं है मेटा : एक ओर जहां मेटा कंपनी ऊंचे आदर्शों का दंभ भरते हुए भारत सरकार के नियमों को मानने से यह कहकर इंकार कर रही है कि इससे उसकी एंड टू एंड इंक्रिप्शन समाप्त हो जाएगी और यह उनकी वैश्विक स्तर वैशिष्टय है, जिसके लिए व्हाट्सएप दुनिया में जानी जाती है, वहीं दूसरी ओर यह कंपनी यूजर्स का डाटा बिना उनकी अनुमति के अन्य लोगों को कीमत के बदले उपलब्ध कराती रहती है। यूजर्स डाटा को बेचने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कंपनी ने अपनी प्राइवेसी नीति में भी बदलाव किया है। इस बदलाव के साथ मेटा ने स्वयं को अधिकृत किया कि वो अन्य मेटा कंपनियों के साथ उनका डेटा साझा कर सकती है। 2021 में किए गए बदलाव में यह प्रावधान था कि जो ग्राहक ऐसा नहीं चाहते, वे उनकी सेवा छोड़ सकते हैं। मेटा का यह भी कहना था कि इससे उसकी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ी है। बाद में भारत की नियामक संस्था कंपीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कहा कि यह बदलाव कि यदि उन्हें डाटा साझा करना स्वीकार नहीं तो वे मेटा सेवा छोड़ सकते हैं, अनुचित है। आयोग ने कहा कि यह डेटा साझा करना व्हाट्सएप सेवाओं के उपलब्ध कराने से संबद्ध नहीं है और उसने मेटा पर 213 करोड रुपए से अधिक का जुमार्ना लगाया और उसके बदलाव को रोक कर उपभोक्ताओं के चयन के अधिकार को बहाल किया। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जिसमें मेटा कंपनी ने ग्राहकों की निजी जानकारियों का अनुचित उपयोग किया। कैंब्रिज एनालेटिका घोटाले में फेसबुक के लाखों यूजर्स का डाटा किसी तीसरी एप के माध्यम से लेकर उसका राजनीतिक दुरुपयोग किया गया। इन लाखों यूजर्स ने अपने इस डाटा का उपयोग करने के लिए अनुमति नहीं दी थी। 2019 में अमरीका के फेडरल ट्रेड कमीशन ने निजता हनन के लिए फेसबुक पर 5 अरब डालर का जुमार्ना लगाया। 2021 में फ्रांसिस हॉगन ने इंस्टाग्राम के आंतरिक दस्तावेजों का खुलासा करते हुए इंस्टाग्राम के किशोरों के मानसिक और अन्य प्रकार से स्वास्थ्य पर पड? वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया और यह साबित किया कि मेटा कंपनी का इस बाबत रुख गैर-जिम्मेदाराना रहा। 2018 में संयुक्त राष्ट्र के फैक्ट फाइंडिंग मिशन द्वारा यह बताया गया कि फेसबुक सामाजिक घृणा फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहा है। बे-रोकटोक सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रकार की घृणा फैलने के कितने दुष्परिणाम होते हैं, यह उसका उदाहरण है। म्यांमार में फेसबुक पर सोशल मीडिया पोस्टों ने एक अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ घृणा का वातावरण तैयार किया।

मेटा द्वारा विभिन्न प्रकार के अधिग्रहण और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के कारण अलग-अलग देशों में सोशल मीडिया के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगभग समाप्त हो गई है। खास तौर पर फेसबुक द्वारा इंस्टाग्राम और व्हाटसएप के अधिग्रहण के बाद सोशल मीडिया में मेटा का एकछत्र राज्य स्थापित हो चुका है। अब तक यह स्पष्ट हो चुका है कि मेटा कंपनी यूजर डाटा को ट्रेक करते हुए लक्षित विज्ञापन भी करती है। व्हाटसएप के माध्यम से मेटा कंपनी गलत जानकारियां प्रसारित करने का काम करती है और ऐसा देखा गया है कि व्हाट्सएप पर फैली अफवाहों की वजह से दंगे, उत्पीड? की गतिविधियां तो होती ही हैं, और तथाकथित एंड टू एंड एनक्रिप्शन की वजह से यह पता नहीं चल पाता कि गलत सूचनाओं का स्रोत क्या है? वैश्विक डिजिटल इकोसिस्टम पर मेटा का लगभग एकाधिकार है।

न्यूज ब्रीफ

अनार बम से बच्चे का चेहरा और आंखें झुलसीं:बुझा हुआ समझकर देखने पहुंचा था

ग्वालियर। डबरा में दीपावली की खुशियां एक परिवार के लिए जिंदगीभर का दर्द बन गईं। ढिगर मोहल्ला पंचायत गुरुद्वारे के पास रहने वाला 11 साल का अंश बाथम छठी कक्षा का छात्र है। दीपावली पर एक हादसे में अनार बम फटने से उसका चेहरा और आंखें बुरी तरह झुलस गईं। फिलहाल उसकी आंखों की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है। बेटे की हालत देखकर गरीब माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। अंश के पिता कमल बाथम डबरा देहात के एक छोटे से होटल में खाना बनाने का काम करते हैं।

जानकारी के मुताबिक, दीपावली पर अंश अपने एक दोस्त के कहने पर बुझा हुआ अनार बम देखने पहुंचा था। उसे लगा कि पटाखा फट चुका है, लेकिन जैसे ही वह उसके करीब गया, अनार बम अचानक फट गया। धमाके में अंश का चेहरा और आंखें बुरी तरह झुलस गईं। हादसे के बाद अंश की मां अनीता का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया, ₹मेरे बेटे की आंखें पूरी तरह झुलस चुकी हैं। उसे अब कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है और वह दर्द से तड़प रहा है।₹ फिलहाल अंश को ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल (खअल) की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. बीके शासक ने बताया कि अनार बम के बारूद से बच्चे की आंखें गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। आंखों की जरूरी जांचें कराई गई हैं, जिनकी रिपोर्ट आना बाकी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल सकेगा कि अंश की आंखों की रोशनी वापस लौट पाएगी या नहीं।

तिलकेश्वर महादेव गौशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवर्धन पूजा की

गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत की पहचान है, गौमाता से जीवन को जोडें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में तिलकेश्वर महादेव गौशाला में विधि विधान से गौवर्धन पूजा की व गौ माता को गुड़ रोटी खिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली है। इस नगरी का गौरवशाली अतीत है। उन्होने कहा कि गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति की पहचान है। यह गुरु गोरखनाथ के नाम पर की जाती रही है। सनातन धर्मावलंबी दीपावली का त्यौहार गौधन का पूजन कर मनाते है। समय की आवश्यकता है कि गौमाता की पूजा के साथ प्रत्येक व्यक्ति गौमाता को पाले।

सिंहस्थ के प्रबंधन के लिए समाज का सहयोग आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर सिंहस्थ में आने वाले 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रबंधन के लिए तैयार हो रहा है। पूरे शहर में 500 कि.मी. से अधिक सडके बन रही है। तिलकेश्वर महादेव के पास स्थित वाल्मिकी धाम में नया पुलिस थाना भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिप्रा में पवित्र स्नान के लिए नए घाटों कानिर्माण करते हुए उन घाटों पर सुगम पहुंच मार्ग की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहर के लोगों को आवाहन किया है कि वे भी अपनी ओर स? सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं का खुले मन से स्वागत करें। यहां आने वाला हर एक श्रद्धालु एक अनूठे आतिथ्य सत्कार का अनुभव लेकर लौटे। मुख्यमंत्री ने नगर के लोगों से अपील की है कि वे अपनी खाली जमीन पर टेंट सिंटी, घरों में नए कमरे, होटल व होमस्टे बनाकर अतिथियों को सुविधा उपलब्ध कराए, इससे उन्हें अतिरिक्त आय भी होगी।



कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज ने भी संबोधित किया। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, यूडीए अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, श्री नारायण यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल, श्री राकेश पंड्या, श्री रामनाथ जी महाराज, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती, डॉ. प्रभुलाल जाटवा, श्री जयसिंह दरबार, श्री जितेन्द्र अग्रवाल, संभागायुक्त श्री आशीषसिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआई श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं गौपालक उपस्थित थे।

सिंधिया ने दिवाली पर क्रिकेटरों को दिए इलेक्ट्रिक स्कूटर और व्हीलचेयर, आठ खिलाड़ियों का किया सम्मान



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने दिवाली पर ग्वालियर के आठ क्रिकेट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। रणजी खिलाड़ी अक्षय शर्मा और होनी यादव को इलेक्ट्रिक स्कूटर, जबकि जरनैल सिंह को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर दी गई। अन्य खिलाड़ियों को क्रिकेट किट और आर्थिक सहायता देकर उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों को प्रोत्साहित किया गया।

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष और एमपीएल के संस्थापक महानार्यमन सिंधिया ने दिवाली के अवसर पर ग्वालियर के आठ क्रिकेट खिलाड़ियों को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया। ग्वालियर के क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों को क्रिकेट किट, आर्थिक सहायता, इलेक्ट्रिक स्कूटर और इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भेंट की गईं।

दो खिलाड़ियों को मिले इलेक्ट्रिक स्कूटर

रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी अक्षय शर्मा और क्रिकेटर होनी यादव को इलेक्ट्रिक स्कूटर दिए गए। वहीं, भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के मैनेजर जरनैल सिंह को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भेंट की गई। मध्य प्रदेश अंडर-19 टीम के खिलाड़ी आर्यन कुशवाहा और यशस्वानी बोहरे को क्रिकेट किट प्रदान की गई।

खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता भी दी

युवराज कंसाना और सोनम यादव को 10-10 हजार रुपये के चेक दिए गए। दिव्यांग क्रिकेटर योगेंद्र सिंह को भी क्रिकेट किट भेंट की गई। कार्यक्रम में ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष संग्राम कदम और सचिव विजय प्रकाश शर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा

महानार्यमन सिंधिया ने कहा कि मध्य प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यहां के खिलाड़ियों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि टढउअ खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों को सम्मान देना तथा उन्हें अपने खेल करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

ग्वालियर जिले में श्रद्धाभाव व उत्साह के साथ मनाया गया गोवर्धन पूजा का पावन पर्व

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले में भी गोवर्धन पूजा का पावन पर्व श्रद्धाभाव एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। गौसेवा, गौसंवर्धन एवं पशुपालकों के सम्मान के इस महापर्व के तहत जिले का मुख्य आयोजन ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में केन्द्रीय जेल परिसर में स्थित सुरभि गौशाला में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने वैदिक परंपरा के अनुसार विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। साथ ही गाय माता का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन में तिलकेश्वर महादेव गौशाला में आयोजित हुई गोवर्धन पूजा का सीधा प्रसारण भी इस अवसर पर हुआ। गोवर्धन पूजा के अवसर पर आयोजित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण व संवर्धन के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में सरकार ने गौसेवा, गौसंवर्धन एवं पशुपालकों के सम्मान का महापर्व ह्लगोवर्धन पूजाह्व का भी आयोजन कराया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बंदियों का भी आह्वान किया कि वे अपनी पिछली गलतियों को भुलाकर व उनका प्रायश्चित कर सदमार्ग पर आगे बढ़ें। राज्य शासन द्वारा ग्वालियर जिले में गोवर्धन पूजा के मुख्य आयोजन के लिये ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को मुख्य अतिथि बनाया गया था। मंत्री श्री तोमर के मुख्य आतिथ्य में केन्द्रीय जेल की गौशाला में आयोजित हुए कार्यक्रम में साडा अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत समेत अन्य अधिकारीगण शामिल हुए।



राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ग्वालियर जिले की अन्य गौशालाओं में भी सोमवार को गोवर्धन पूजा की गई। जिले के वृंदावन ग्रामों में आयोजित हुई ह्लगोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजनाह्व में चयनित उत्कृष्ट पशुपालकों को गोवर्धन पूजा के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। बेहट स्थित तानसेन गौशाला में यह पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार के रूप में राज्य सरकार की ओर से एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए की राशि चयनित पशु पालकों को प्रदान की गई। जिले के विकासखंड घाटीगांव स्थित रानीघाटी गौशाला व जौरासी गौशाला सहित शासन से अनुदान प्राप्त अन्य गौशालाओं में भी गोवर्धन पूजा का पावन पर्व मनाया गया।

संभाग आयुक्त खत्री ने भी की गोवर्धन पूजा

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने भी सोमवार को गोवर्धन पूजा की। उन्होंने भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना के साथ गाय माता का भी पूजन किया।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया के स्थानीय निवास सेवापथ पर भक्तिमय वातावरण में मना सामूहिक गोवर्धन उत्सव

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री जयभान सिंह पवैया की पहल पर सामूहिक गोवर्धन पूजा महोत्सव का 25वाँ आयोजन सोमवार को भक्तिभाव के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में छप्पन भोग अर्पण व आरती के उपरांत गौपूजन किया गया व 1100 दीपों को स्वास्तिक आकृति में प्रज्वलित कर आतिशबाजी के साथ गिरिराज धरण के उदघोषोंसे वातावरण भक्तिमय हो उठा । राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया के ग्वालियर में भगतसिंह नगर स्थित स्थानीय निवास सेवापथ परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में उमड़े सामाजिक संगठनों, श्रद्धालुओं व जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। सेवापथ परिसर में पंचगव्य से निर्मित गोवर्धन जी मनोहारी विग्रह का वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन व आरती की गई। इस अवसर पर राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति की परमेश्वर के रूप में पूजा है और गौवंश के उपकार के प्रति मनुष्य जाति की कृतज्ञता ।



उन्होंने कहा कि त्योहारों की परम्परा भारत की समृद्धि और अखंडता के लिये जरूरी है ।

भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजा व गौ - सेवा का संदेश देकर मानव जाति को यही संदेश दिया । पूजन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य श्री यशवंत इंदापुरकर ने कहा कि गिरिराज पूजा का संदेश है कि समाज संगठित होकर ही सभी संकटों व विपत्तियों पर पार पा सकता है । गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, अपैक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र यादव , पूर्व मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य , पूर्व सांसद श्री विवेक शेजवलकर , जीडीए अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया , मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन , नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर , आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक श्री सुरेंद्र मिश्रा, श्री विजय दीक्षित , राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल , स्वामी ऋषभदेवानंद, भाजपा के प्रदेश मंत्री श्री लोकेंद्र पराशर , भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया तथा सर्वश्री सुधीर गुप्ता , अभय चौधरी , रामवरण गुर्जर , मुन्नालाल गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

दीवाली के बाद ग्वालिर में बढ़ा प्रदूषण, AQI 355 दर्ज



ग्वालियर। दीपावली की रात हुई आतिशबाजी और हवा की धीमी रफ्तार ने शहर की आबोहवा में जहरीला धुआं घोल दिया है। त्योहार के अगले दिन शहरवासियों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन का सामना करना पड़ा। हवा की रफ्तार कम रहने के कारण आतिशबाजी से निकले सूक्ष्म प्रदूषक कण वातावरण में जमा रहे, जिससे ग्वालियर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 355 तक पहुंच गया। इस स्थिति के साथ ग्वालियर प्रदूषण के मामले में राज्य के शीर्ष चार शहरों में शामिल रहा, जहां हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानिटरिंग आंकड़ों के अनुसार, शहर का दीनदयाल नगर सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा। यहां एक्यूआई 372 दर्ज किया गया। वहीं, महाराज बाड़ा में एक्यूआई 356 और सिटी सेंटर में 340 दर्ज हुआ। विशेषज्ञ बताते हैं कि 301 से 400 के बीच एक्यूआई का होना बहुत खराब" श्रेणी में आता है, जो सांस की बीमारी से पीड़ित मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

हालांकि इस बार प्रशासन की ओर से ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल पर जोर दिया गया था, लेकिन आतिशबाजी की समय-सीमा और मात्रा पर प्रभावी नियंत्रण न होने से प्रदूषण स्तर में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। रात के समय हवा की गति कम रहने के कारण पटाखों से निकले धुंध और सूक्ष्म कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) लंबे समय तक निचले वातावरण में ही स्थिर बने रहे।



पोंगल पर रिलीज होगी विजय सेतुपति की 'पॉकेट नॉवेल'

निर्देशक थियागराजन कुमारराजा की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म के रिलीज डेट की जानकारी दी है। एक्टर जीवी प्रकाश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म 14 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने पहले इस फिल्म के लिए इसाईग्नानी इलैयाराजा को म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर ऐलान किया था। पिछले महीने से ही खबरें आ रही थीं कि इलैयाराजा ने फिल्म से हाथ खींच लिया है। इन खबरों को और हवा तब मिली, जब 9 अक्टूबर को मेकर्स ने शूटिंग खत्म होने का ऐलान किया तो उसमें टेक्नीशियनों की लिस्ट में इलैयाराजा का नाम नहीं था।

हालांकि काफी समय से खबरें चल रही थीं कि इलैयाराजा की जगह जीवी प्रकाश आ गए हैं, लेकिन मेकर्स ने पहली बार हाल ही में इस खबर को ऑफिशियली कंफर्म किया। फिल्म की शूटिंग करीब दो हफ्ते पहले ही खत्म हुई थी।

आगामी तमिल फैंटेसी ड्रामा फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता थियागराजन कुमारराजा कर रहे हैं। यह फिल्म अपनी अनूठी शैली और बेहतरीन स्टार कास्ट के कारण काफी चर्चा में है। फिल्म में विजय सेतुपति और मालविका मोहनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके अलावा फिल्म में राज बी शेट्टी, किशोर और दिलीप सुब्बारायन भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। यह थियागराजन कुमारराजा की तीसरी फीचर फिल्म है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सुपर डीलक्स' के बाद निर्देशक थियागराजन और विजय सेतुपति की जोड़ी इस फिल्म के जरिए दूसरी बार साथ काम कर रही है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले को प्राइम वीडियो की मशहूर सीरीज 'वदंधी' के निर्माता एंड्रयू लुईस ने लिखा है।



अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' से जुड़ीं मेधा राणा

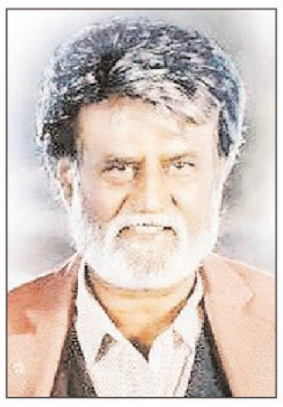
अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म 'सनकी' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। मेधा फिल्म में अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। 'बॉर्डर 2' की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें 'सनकी' की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा। मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'बॉर्डर 2' में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार 'सनकी' में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। 'सनकी' की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म की पहली झलक भी आने वाले कुछ दिनों में दर्शकों के सामने आ सकती है। इस फिल्म का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं।

रामायण' में कैकेयी बनकर इमोशनल हुईं लारा दत्ता



महाकाव्य 'रामायण' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में अभिनेत्री लारा दत्ता माता कैकेयी के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस मौके पर अगर उनके पिता जी होते तो उन पर गर्व करते। उन्होंने लिखा, 'जो कई साल पहले एक दिली इच्छा के तौर पर शुरू हुआ था। किसी ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। कुछ ऐसा जो वक्त से भी आगे निकल जाए और हमारी जिंदगी का ही हिस्सा हो। आज, वो इच्छा एक ऐसी कहानी में जगह बना रही है, जो अनंत काल से टाइमलेस है।' माता कैकेयी का रोल निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वह इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक रही हैं। उनका गुस्सा, कमजोरी, अपराधबोध और पछतावा पर्दे पर जीवंत करने की जिम्मेदारी मिलना बहुत बड़ी बात है।

पहली बार रजनीकांत संग काम करेंगी श्रीलीला



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। बुधवार को कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत

फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टा पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।

तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है।





मातृभूमिः फिल्म की रिलीज डेट हुई फाइनल, इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सलमान खान ने शुक्रवार को अपनी काफी समय से टल रही वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इसके अलावा सलमान ने फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स इस्तेमाल पर भी बात की है।

फिल्म की रिलीज में हो रही देरी को लेकर सलमान खान ने बताया कि मेकर्स चाहते थे कि फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स बेहतर हों और दर्शकों को शानदार अनुभव मिले। सलमान ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'आजकल वीएफएक्स के कई एक्सपर्ट मौजूद हैं, जो किसी भी फिल्म के हर एक सीन को बारीकी से देखते हैं। इसलिए हम इस फिल्म में किसी को भी ऐसा मौका नहीं देना चाहते, जिससे वह किसी सीन को जूम करके उसके वीएफएक्स की आलोचना कर सके। हम चाहते हैं कि फिल्म के विजुअल्स सभी को हैरान कर दें। इसकी शूटिंग बहुत खूबसूरती से की गई है।'

कब रिलीज होगी फिल्म

उन्होंने आगे कहा, 'हमें लगा था कि हम फिल्म को 45-50 दिनों में पूरा कर लेंगे, लेकिन हमारी को-स्टार चित्रांगदा सिंह चोटिल हो गई थीं। उन्हें ठीक होने में समय लगा। पहले हम फिल्म को जनवरी या जून में रिलीज करने वाले थे, लेकिन बाद में इसे अगस्त तक टाल दिया गया। अब यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

सलमान खान की इस फिल्म का एलान पहले 'बैटल ऑफ गलवान' नाम से किया गया था। हालांकि, इस साल फिल्म का नाम बदलकर 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया गया। फिल्म की कहानी साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है।

कर्नल संतोष बाबू के किरदार में दिखेंगे सलमान

फिल्म में सलमान खान भारतीय सेना के कर्नल बी. संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। वह 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे और साल 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों का नेतृत्व कर रहे थे। उनके अदम्य साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फिल्म में सलमान और चित्रांगदा सिंह के अलावा मुकेश ऋषि, अंकुर भाटिया, ज़ेन शॉ और अभिलाष चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, अभिनेता विजय राज फिल्म में कहानी सुनाने वाले की आवाज देंगे।



रोमांस से लेकर बोल्ड किरदार, फिर कॉमेडी-एक्शन तक; समय के साथ बदला तब्बू का करियर?

अभिनेत्री तब्बू 55 वर्ष की हो गई हैं। सिनेमा की दुनिया में उनकी एंट्री 40 साल पहले हुई थी। इसका श्रेय देव आनंद को जाता है और उन्होंने ही अभिनेत्री को तब्बू नाम दिया। 1985 में देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' से तब्बू ने सिनेमा में पहला कदम रखा। तब वे 14 वर्ष की थीं। फिर कुछ वर्षों के अंतराल के बाद 1991 में साउथ फिल्मों में काम किया। इसके बाद साल 1994 में 'विजयपथ' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर डेब्यू किया। इसमें उनके साथ अजय देवगन थे। तब से आज तक दो चीजें साथ चली आ रही हैं। अजय देवगन के साथ उनकी जबर्दस्त बॉन्डिंग, जो पर्दे पर भी जमती है। दूसरा, तब्बू के अभिनय का जादू। इतने वर्षों के करियर में तब्बू के किरदार किस तरह बदले?

बचपन से अभिनय की तरफ रहा झुकाव

तब्बू का असली नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। उनका जन्म 04 नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ था। तब्बू का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ। उनके पिता जमाल हाशमी और मां रिजवाना का तलाक हो गया था, इसलिए उन्हें अपनी मां और नाना-नानी ने पाला। उनकी बड़ी बहन फराह नाज भी अभिनेत्री हैं। शबाना आजमी, तब्बू की मौसी हैं। बचपन से ही तब्बू का झुकाव फिल्मों की तरफ रहा। वे किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि ऐसा लगता है कि उन्हें जीती हैं। रोमांटिक रोल हो, कॉमेडी या फिर कोई गंभीर भूमिका...तब्बू उसमें ढल जाती हैं।

पहली फिल्म के लिए झटका अवॉर्ड

तब्बू ने जब 14 की उम्र में 'हम नौजवान' में काम किया, तभी यह जता दिया कि वह लंबी पारी खेलेंगी। इतनी छोटी-सी उम्र में उन्होंने फिल्म में एक दुष्कर्म पीड़िता का किरदार निभाया। इस किरदार से तब्बू ने दर्शकों को अंदर तक झकझोर दिया और अपना मुरीद बना लिया। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी शुरुआत 1991 में तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से हुई। यह सुपरहिट रही। 1994 में वो 'विजयपथ' फिल्म में आईं। इसमें अजय देवगन के साथ काम किया। हिंदी सिनेमा में डेब्यू के साथ ही तब्बू ने बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड अपने नाम कर लिया।

90 के दशक में तब्बू को शुरुआत में पारंपरिक कमर्शियल रोल मिले। इनमें उन्हें गानों में डांस करना और हीरो के साथ रोमांस करना होता था। उस दौर की फिल्मों में तब्बू ने 'जीत', 'साजन चले ससुराल', 'बॉर्डर' और 'हकीकत जैसी फिल्मों से अच्छी पहचान बनाई। साल 1996 तब्बू के करियर में बड़ा बदलाव लेकर आया। फिल्म 'माचिस' आई। 90 के दशक की फिल्मों में तब्बू के करियर की हाइलाइट्स में 'माचिस' शामिल है। गुलजार निर्देशित 'माचिस' में के लिए तब्बू ने पहला नेशनल अवॉर्ड जीता। इसके बाद 'विरासत' (1997) और 'हु तू तू' (1999) में उनकी अदाकारी दिखी। 1999 में आई 'हम साथ साथ हैं' को कैसे भूला जा सकता है? इस पारिवारिक फिल्म में भी तब्बू की भूमिका खूब पसंद की गई।

इंटरनेशनल स्तर पर बनाई पहचान

तब्बू के करियर में 2000 का दशक इसलिए भी याद किया जा सकता है कि उन्होंने हॉलीवुड की तरफ भी कदम बढ़ाए। उन्होंने फिल्म 'द नेमसेक' (2006) में बेहतरीन अदाकारी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि इस दशक में उन्होंने करियर चुनने के मामले में कुछ रिस्क लिए। उन्होंने स्वतंत्र और बोल्ड किरदार चुने।

2010 के बाद भी सिनेमा की धमक जारी

40 और 50 की उम्र में जहां अभिनेत्रियों के पास किरदारों की कमी हो जाती है या पसंदीदा भूमिकाएं नहीं मिलती, वहीं तब्बू का जलवा अब भी कायम है। 2010 के दशक के बाद तब्बू के खाते में कुछ अनोखे किरदार आए। उन्होंने एक्शन में भी दम दिखाया। 2014 में 'हैदर' में उनका 'गजाला' का किरदार काफी पसंद किया गया। इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। 2015 में शुरू हुई 'दृश्यम' फ्रैंचाइजी में तब्बू ने जान फूंकी। 2022 में इसकी दूसरी किस्त आई और इस साल तीसरी। तीनों पार्ट में तब्बू मजबूत कड़ी साबित हुईं। 2017 में रोहित शेट्टी की हॉरर-कॉमेडी 'गोलमाल अगेन' में उन्होंने भूतों से बात करने वाली महिला का रोल किया। 2018 में कल्ट-क्लासिक फिल्म 'अंधाधुन' में 'सिमी' के रूप में ग्रे-शेड रोल में दिखीं।

न्यूज ब्रीफ

श्योपुर के रन्नोद गांव में आधी रात घर के अंदर घुसा मगरमच्छ

श्योपुर। रन्नोद गांव में मगरमच्छों की आमद थमने का नाम नहीं ले रही है। आठ दिन पहले हुई घटना के बाद शनिवार तड़के एक बार फिर एक मगरमच्छ गांव में घुस गया। इस बार तो वह किसान के घर के अंदर तक पहुंच गया। गनीमत यह रही कि, उसके जबडे में कोई फंस पाता, उससे पहले ही ग्रामीण की नजर मगरमच्छ पर पड़ गई।इस वजह से उसका पूरा परिवार सचेत हो गया। इससे कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को रेस्क्यू करके चंबल नदी में छोड द दिया है। ग्रामीण मगरमच्छों की आमद से डरे हुए हैं। ग्रामीणों के द्वारा जानकारी दी गई है कि, शनिवार की अलग सुबह करीब 3:45 बजे रन्नोद गांव निवासी काशीराम-मांगीलाल के मकान के अंदर आटे की कोठी के पास एक मगरमच्छ कहीं से घुस गया। मवेशियों के लिए चारा डालने के लिए जागे किसान की नजर जैसे ही मगरमच्छ पर पड़ी तो वह चौंक गया। उसने खुद को मगरमच्छ से बचाते हुए अपने स्वजन को भी सचेत कर दिया और एक-एक करके घर के बाहर निकाल दिया। आवाज सुनकर आस-पड़ोस के ग्रामीण भी जाग गए, जिन्होने वन विभाग के अधिकारियों को फोन करके मगरमच्छ के घर में घुसने की सूचना दी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ को रेस्क्यू करवाकर चंबल नदी में छुड़वाया है। घर के भीतर मगरमच्छ होने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण भी सतर्क हो गए। लोगों के बीच इस बात को लेकर दहशत है कि आखिर मगरमच्छ लगातार आबादी में कैसे पहुंच रहे हैं। अब स्थिति यह है कि ग्रामीणों को रात के समय घरों से बाहर निकलने और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सताने लगी है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल से डीबीटी के माध्यम से प्रतिभागियों को वितरित की पुरस्कार राशि

गोविंद गौशाला मुरैना में गोवर्धन पूजा के साथ आयोजित हुआ गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार समारोह





एक सत बुलेटिन, मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन से गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत चयनित प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से नगद पुरस्कार राशि वितरित की। इस अवसर पर प्रदेश की 208 विधानसभा क्षेत्रों के वृंदावन ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें मुख्यमंत्री के उद्बोधन एवं पुरस्कार वितरण का सीधा प्रसारण किया गया। मुरैना में भी पशुपालकों ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के मार्गदर्शन में गोविंद गौशाला, मुरैना में गोवर्धन पूजा एवं गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विधि-विधान से गोवर्धन पूजा एवं गौपूजन किया। इसके पश्चात गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के प्रतिभागियों को शाल, श्रीफल, माला एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के अंतर्गत पशुपालक संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान पशुपालन विभाग के उप संचालक डॉ. एन.पी. शर्मा ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से पशुपालकों को अवगत कराते हुए आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उन्नत पशुपालन तकनीकों एवं बेहतर प्रबंधन के माध्यम से पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के साथ पशुपालकों की आय में भी वृद्धि की जा सकती है।

कार्यक्रम में गोविंद गौशाला के अध्यक्ष श्री तुलसीराम सिंघल, सचिव श्री मनोज जैन, कोषाध्यक्ष श्री हरिओम अग्रवाल तथा सदस्य श्री धर्मेंद्र गांधी एवं श्री मनोज सिंघल विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित रहे।

भाई दूज पर जेल में बंद भाइयों का तिलक करेंगी बहनें, 11 नवंबर को होगी खुली मुलाकात



श्योपुर। भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व भाईदूज इस बार जिला जेल श्योपुर में भी पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जेल में निरुद्ध बंदियों को तिलक लगाने के लिए उनकी बहनों को खुली मुलाकात की सुविधा दी जाएगी। जेल प्रशासन ने 11 नवंबर को सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक का समय निर्धारित किया है। जिला जेल अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि भाईदूज पर बंदियों से मिलने आने वाली बहनों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मुलाकात के दौरान प्रत्येक बंदी से अधिकतम 10 मिनट तक मिलने की अनुमति रहेगी।

जेल प्रशासन उपलब्ध कराएगा सुविधा

बहनें अपने साथ अधिकतम 250 ग्राम मिठाई, गजक अथवा सोनपपड़ी ले जा सकेंगी। तिलक के लिए हल्दी, कुमकुम और चावल सहित पूजा की थाली जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। जेल अधीक्षक ने बताया कि सुरक्षा कारणों से मोबाइल फोन, रुपये और पर्स सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री परिसर के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परिजन ऐसी वस्तुएं अपने साथ न लाएं अथवा जेल गेट के बाहर ही छोड़कर प्रवेश करें। पुरुष बंदियों से मुलाकात के लिए उनके परिवार की महिला सदस्यों और छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को ही प्रवेश दिया जाएगा। जेल प्रशासन ने बहनों से निर्धारित समय पर पहुंचकर नियमों का पालन करने की अपील की है।

गोवर्धन पर्व पर कैंट गौशाला में विधि-विधान से हुआ पूजन, परंपरा और संस्कृति का दिया संदेश



एक सत बुलेटिन, गुना

जिलेभर में गोवर्धन पूजा पर्व हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर की कैंट गौशाला में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधानपूर्वक गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख?य अतिथि विधायक श्री पन्नालाल शाक्य सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया।सभी ने पारंपरिक विधियों के अनुसार गोवर्धन पूजा में सहभागिता की।

विधायक श्री पन्नालाल शाक्य ने कहा कि गायों का अच्छे से पालन-पोषण किया जाना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति और परंपराओं का विकास एवं संरक्षण हो सके।कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि गोवर्धन पर्व हमारी प्राचीन परंपराओं, प्रकृति, पर्वत और गौवंश संरक्षण का प्रतीक है।

यह पर्व मानव और प्रकृति के अटूट संबंध को दशार्ता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने देखा। आज इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, नगर पालिका उपाध?यक्ष श्री धरम सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एसडीएम श्रीमती शिवानी पाण्डे, तहसीलदार श्री मयंक तिवारी, सीएमओ श्री शैलेष अवस्थी उपस्थित रहे।

रतनगढ़ माता मंदिर पर आज से शुरू हुआ तीन दिवसीय विशाल लख्खी मेला

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रतनगढ़ पहुंचकर सर्म्पूण मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण



एक सत बुलेटिन, दतिया

जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था का केन्द्र माता रतनगढ़ मंदिर पर दीपावली दौज के अवसर पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विशाल लख्खी मेले का शुभारंभ आज सोमवार 9 नवम्बर से हो गया है जो 11 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा।

मेले में श्रृद्धालुओं के आने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। मेले में श्रृद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इतंजाम किए गए है। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयूर खंडेलवाल ने रतनगढ़ माता मंदिर पहुंचकर सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का सेक्टर वाईज निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर, पार्किंग स्थल, श्रृद्धालुओं के आवागमन मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही प्रत्येक सेक्टर पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को पूरी मुस्तैदी, सजगता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और मेला शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कलेक्टर श्री वानखड़े ने मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्रिय रखने तथा श्रृद्धालुओं के आवागमन मार्ग को बाधा रहित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशितकिया कि मेले के दौरान व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जाए तथा किसी भी समस्या का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाये।

कलेक्टर श्री वानखड़े द्वारा श्रृद्धालुओं से मेले के दौरान स्वच्छता बनाये रखने, प्रशासन का सहयोग करने, नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही उन्होंने किसी भी भ्रामक जानकारी, अफवाह पर यकीन न करते हुए मेले में तैनात प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी अथवा कंट्रोल रूम से पुष्टि करने की बात कही।

गोपाल गौशाला में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विजेता 466 गोपालकों को किया पुरस्कार राशि का अंतरण

एक सत बुलेटिन, श्योपुर



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह के माध्यम से गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना अंतर्गत वृंदावन ग्रामों में चयनित 466 विजयी पशुपालकों को 2 करोड 95 लाख की पुरस्कार राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। साथ ही, प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख निराश्रित गौवंश के भरण-पोषण के लिए 65 करोड 66 लाख की अनुदान राशि का अंतरण भी किया गया।

उक्त राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण श्री गोपाल गोशाला में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, पूर्व विधायक श्री दुगार्लाल विजय, गोपाल गोशाला के अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, श्री सुगनचंद मीणा, महामंडलेश्वर संत महाराज श्री कृष्णबिहारी दास जी, श्री दिनेश दुबोलिया, भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री श्री अभिषेक जागिड, श्री हेमंत गौतम, एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे सहित कृषि, उद्यानिकी विभागों के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्री गोपाल गौशाला प्रबंध समिति एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग के तत्वाधान में आयोजित उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि गोवर्धन पूजन 5 दिवसीय दीपावली पर्व का महत्वपूर्ण अवसर है, उन्होंने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, आस्था एवं सनातन परंपरा में विशेष स्थान रखती हैं। गोवर्धन पूजा का पर्व हमें प्रकृति, पर्यावरण, पशुधन एवं मानव जीवन के बीच गहरे संबंध का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले का गोपालन में महत्वपूर्ण स्थान है, यहां गौधन पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है, गोरस सहित अन्य ग्रामों में देशी गिर नस्ल की गायों के माध्यम से दूध का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुरूप जिले में दूध उत्पादन बढाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है तथा सहकारिता और पशुपालन विभाग के माध्यम से दूग्ध उत्पादन समितियों का गठन कर पशुपालको को जोडने का कार्य किया जा रहा है। स्थानीय कार्यक्रम के दौरान महामंडलेश्वर संत महाराज श्री कृष्णबिहारी दास जी द्वारा गौमाता के महत्व तथा धार्मिक आस्थाओं, मान्यताओं और परम्पराओं पर आधारित दृष्टांत के माध्यम से गोपालन और गोसेवा का संदेश दिया। इसके पूर्व गोपाल गौशाला समिति के अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण गुप्ता द्वारा स्वागत भाषण देते हुए गोवर्धन पूजा के महत्व को धर्म एवं प्रकृति के परिपेक्ष्य में प्रतिपादित किया। कार्यक्रम का संचालन उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा विधि विधान से गोवर्धन पूजन किया गया तथा श्री गिर्राजधरण की आरती की गई।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान श्योपुर जिले के वृंदावन ग्राम नागदा एवं श्यामपुर में आयोजित गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता के 6 गौपालको को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रशस्ती पत्र भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर नागदा में आयोजित प्रतियोगिता में श्रीमती रामपति को प्रथम पुरस्कार के लिए, श्री जुगराज सुमन को द्वितीय पुरस्कार के लिए तथा श्री जुगराज गुर्जर को तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ग्राम श्यामपुर में आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम विजेता श्री श्री बंटी रावत, द्वितीय पुरस्कार के लिए श्रीमती मनीषा संजीव रावत एवं तृतीय स्थान के लिए श्री बुद्धमान सिंह कुशवाह को सम्मानित किया गया। इन सभी गौपालको को उनके द्वारा पाली जा रही गाय के दुग्ध उत्पादन के आधार पर आयोजित हुई प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित किया गया था, राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से इन सभी विजेताओं को भी प्रथम पुरस्कार के लिए 01 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार के लिए 50 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के लिए 25 हजार रुपए की राशि बैंक खाते में प्राप्त हुई है।

गौ सेवको एवं गौमेत्री भी हुए सम्मानित

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान गोसेवा का कार्य करने वाले गोसवको को भी प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गये, जिसमें राष्ट्रीय गोसेवा संघ के अध्यक्ष श्री किम्मी गौतम तथा माधव गोसेवा समिति के सदस्य श्री हर्ष दौहरे, श्री केशव आर्य, श्री शिवा यादव, श्री रवि मोहार शामिल है। इसके अलावा गौमेत्री का कार्य करने वाले श्री हरिराम गुर्जर, श्री काडू सुमन, श्री महावीर बैरवा, श्री रोशन बैरवा एवं श्री विनोद टैगोर को भी प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गये।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन के ढेंडिया में नवीन ग्राम पंचायत भवन सह मैरिज गार्डन का किया

ग्रामीण बन रहे संपत्ति के मालिक और बहनें आत्मनिर्भर

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व पंजीयन) में हमारी सरकार ग्रामीण पट्टाधारकों के मकानों एवं प्लॉट की पक्की रजिस्ट्री कर उन्हें वास्तविक भूस्वामी बना रही है। प्रदेश में बहनों को भी आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत ढेंडिया की बहनें अब आत्मनिर्भर बन गई है। वे पास में ही खुले वस्त्र उद्योग में सिलाई का काम करके 12 से 15 हजार रुपए महीने कमा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि गांव की ग्रामीण महिलाएं और ग्राम पंचायतें भी आत्मनिर्भर बनें ।ग्राम पंचायत ढेंडिया ने प्रदेश में एक अनूठा काम करते हुए मैरिज गार्डन बनाया है। यह लगभग 5 बीघा क्षेत्रफल में फैला है और सर्व सुविधायुक्त है। इससे ग्राम पंचायत की आय बढ़ेगी और आमजन को किफायती दर पर मैरिज गार्डन की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दीपावली पर उज्जैन जिले के ग्राम ढेंडिया में 2 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन सह मेरिज गार्डन का लोकार्पण कर यह उद्गार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व पंजीयन) के तहत ऑनलाइन ग्रामीणों की रजिस्ट्री का निष्पादन किया। उज्जैन जिले में अब तक 74 हजार 791 पात्र हितग्राहियों के मकानों एवं प्लॉट की रजिस्ट्री कार्य का निष्पादन हो चुका है। संख्या के हिसाब से उज्जैन जिला योजना में पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले केवल शहर वालों के पास ही रजिस्ट्री हुआ करती थी, गांव में मकान की कोई कीमत नहीं होती थी। हमारी सरकार ने अपनी ओर से 10 हजार करोड़ रुपए का बजट रखकर गांव के पट्टेदारों एवं मकान मालिकों के लिए निःशुल्क रजिस्ट्री की योजना चलाई है। अब गांव के मकान और प्लॉट की भी कीमत होगी।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत प्रदेश में 50 से 70 लाख पात्र ग्रामीण पट्टेधारियों की सम्पत्ति की निःशुल्क रजिस्ट्री की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम ढेंडिया उज्जैन शहर के बिल्कुल पास में है। यहां के लोग अपने घर में 8 अतिरिक्त कमरे बनाकर होमस्टे चला सकते है। इस तरह के होमस्टे निर्माण के लिए सरकार 2 लाख रुपए तक की मदद दे रही है तथा इसमें बिजली का बिल भी घरेलू उपयोग दर से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर प्रयास कर रही है। गाय, भैंस, बकरी, अन्य पशु सहित मत्स्य पालन के लिए ऋण दिया जा रहा है। प्रदेश के गांव-गांव में सांची (दुग्ध संघ) द्वारा दुग्ध सहकारी समितियां निर्मित की जा रही है।

सर्वसुविधायुक्त ग्राम पंचायत भवन एवं मैरिज गार्डन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम ढेंडिया में 37 लाख रुपए की लागत से निर्मित सर्व सुविधायुक्त पंचायत भवन का लोकार्पण किया। पंचायत भवन में सरपंच, सचिव, पटवारी कक्ष के अलावा एक सर्वसुविधायुक्त मीटिंग हॉल बनाया गया है। इसी के साथ प्रदेश में पहली बार किसी ग्राम पंचायत में 1 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत का 5 बीघा क्षेत्र में शानदार मैरिज गार्डन बनाया गया है। यह ग्राम पंचायत ढेंडिया के स्वामित्व में बना प्रदेश का ऐसा पहला मैरिज गार्डन है, जिसमें 26 सर्व सुविधायुक्त कमरे, 12,880 वर्गफीट का विशाल डोम तथा 3,600 वर्ग फीट का बड़ा किचन शेड बनाया गया है। गार्डन सौंदर्यीकरण के लिए आकर्षक ग्रीन लॉन, छोटा स्विमिंग पूल एवं भव्य स्टेज की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व पंजीयन) के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस योजना के तहत अबतक श्रेष्ठ कार्य करने वाले तहसीलदार एवं पटवारियों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले तहसीलदारों में श्री अनिरुद्ध मिश्रा तथा पटवारी श्री कृष्णचंद्र शर्मा, श्री कार्तिकेय सेंगर, श्री कमलेन्द्र मिश्रा, श्री कमलदीप शर्मा, श्री हरीश पारिया, श्री देवेंद्र पालिवाल, सुश्री अंजली ढोले, श्री रामेश्वर वारसी, श्री श्यामसुंदर शर्मा, श्री सुनील चौहान, श्री राहुल भाटी, श्री राधेश्याम शर्मा एवं सुश्री दर्शना राठौर शामिल हैं।

कार्यक्रम में उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री जयसिंह दरबार, श्री संजय अग्रवाल, श्री कमल बैरवा, श्री जगदीश पांचाल, ग्राम सरपंच श्रीमती सावित्री नरेंद्र पोरवाल एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भोपाल स्टेशन पर विदेशी महिला से 500 ग्राम कोकीन जब्त:जीटी एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में कर रही थी सफर



एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर जीआरपी, आरपीएफ और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने एक विदेशी महिला को 500 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है। महिला GT एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में सफर कर रही थी।

DRI से मिले इनपुट के बाद टीम ने ट्रेन में तलाशी ली और महिला को पकड़ लिया। गुरुवार रात करीब 7:45 बजे हुई इस कार्रवाई के बाद महिला को आगे की जांच और कार्रवाई के लिए DRI के हवाले कर दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, महिला चेन्नई से दिल्ली के बीच ट्रेन से सफर कर रही थी। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 ग्राम कोकीन बरामद हुई। इसके बाद टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। DRI की टीम महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि महिला के पास कोकीन कहां से आई और दिल्ली में इसकी सप्लाई किसे की जानी थी। साथ ही तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

संभाग के उमरिया जिले में तैयार हो रही हॉकी खिलाड़ियों की नई पौध

करण गौतम भारतीय जूनियर टीम में चयनित होकर खेलेंगे विश्व कप

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

शहडोल संभाग के उमरिया जिले की पहचान हॉकी की नर्सरी के रूप में रही है। लगभग 100 वर्षों के गौरवशाली हॉकी इतिहास को आगे बढ़ाते हुए जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में उमरिया के होनहार हॉकी खिलाड़ी 18 वर्षीय करण गौतम का चयन भारतीय जूनियर हॉकी टीम के लिए हुआ है। वे नवंबर माह में मिस्र में आयोजित होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। करण की इस उपलब्धि ने उमरिया जिले के साथ पूरे शहडोल संभाग का गौरव बढ़ाया है।

करण गौतम उमरिया की ज्वालामुखी कॉलोनी निवासी एवं पेशे से शिक्षक श्री अजय गौतम के पुत्र हैं। हॉकी में फॉरवर्ड पोजीशन पर खेलने वाले करण का चयन तीन वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश हॉकी टीम के लिए हुआ था। इसके बाद उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। करण भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अंडर-18 एशिया कप एवं यूथ 5एस एशियन चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुके हैं। इन दोनों अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इसके अलावा वर्ष 2022 से 2026 तक मध्यप्रदेश की ओर से सब जूनियर नेशनल हॉकी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक भी हासिल किया है। करण गौतम वर्तमान में भोपाल स्थित मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत संचालित इस अकादमी में वे अपने खेल कौशल को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर अभ्यास कर रहे हैं। उनके शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों के आधार पर भारतीय जूनियर हॉकी टीम में उनका चयन हुआ है।

लगभग 100 वर्ष पुराना है उमरिया का हॉकी इतिहास

उमरिया जिले में हॉकी खेल का इतिहास लगभग एक शताब्दी पुराना है। जिले के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उमरिया को पहचान दिलाई है। इनमें प्यारे लाल बैगा, सूर्य प्रकाश गौतम, शेख हमीद, गोपाल विश्वकर्मा, सुखचंद खटिक, गुलजारी लाल नंदा, शेख सलीम, राकेश शर्मा, विष्णु भारती एवं राज उदय सिंह के नाम प्रमुख रूप से जाने जाते हैं। पिछले 15 वर्षों से जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख सलीम, जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा उमरिया की हॉकी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से जिला मुख्यालय में हॉकी खिलाड़ियों की नई पौध तैयार हुई है। इस दौरान दीपक सिंह, राजा भईया कोरी, मोहम्मद समीम, सुजल, पुनीत सिंह, जितेन्द्र सोधियां, सचिन गुप्ता, तनीश कोरी, प्रथम सोधियां, अब्दुल वसी, करण खटिक, ऋषि, विजय खटिक, मोहम्मद उवैश, प्रिंस जैन एवं ओम सोधियां जैसे खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

जिले के राहुल बर्मन राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी होने के साथ वर्तमान में राष्ट्रीय निर्णायक भी हैं। उन्होंने चंडीगढ़ सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप एवं दिल्ली नेहरू नेशनल प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई है। साथ ही वे उमरिया के नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। इसी प्रकार शिवम सोधियां सीनियर राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने दिल्ली, लुधियाना, रांची एवं जालंधर सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है।



छठ पूजा की तैयारी, 54 घाटों पर व्यवस्था मंदिरों के सामने रंगोली–सौंदर्यीकरण

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

छठ पूजा के मौके पर भोपाल में छोटे-बड़े 54 घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं होंगी। वहीं, आज दीपावली के मौके पर मंदिरों के सामने रांगोली-सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। आतिशबाजी के मद्देनजर बाजारों में दमकलें तैनात की गई हैं।

दीपावली, गोवर्धन पूजा और छठ पूजा को देखते हुए नगर निगम के जिम्मेदारों ने बैठक भी की। महापौर मालती राय एवं निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार ने दीपावली के मद्देनजर शहर के मंदिरों के सामने चूने से आकर्षक रंगोली बनाने के साथ साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण कराने की बात कहीं है। ताकि, श्रद्धालुओं को त्योहार के दौरान स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके।

15 और 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर शहर के 54 घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। निगम द्वारा इन घाटों पर साफ-सफाई के साथ पर्याप्त रोशनी, पेयजल, सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। निगम अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि छठ पूजा से पहले सभी घाटों पर आवश्यक कार्य पूरे कर लिए जाएं। जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

पटाखा बाजारों में यह इंतजाम

पटाखा बाजारों में सुरक्षा के लिए निगम ने विशेष इंतजाम किए हैं। दिवाली की पूरी रात फायर अमला तैनात रहा। 9, 10 और 11 नवंबर को भी पटाखा बाजारों में दमकल वाहन व अमले की तैनाती रहेगी। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए एक दमकल वाहन, दो पानी के टैंकर और एक सीवेज टैंकर सपोर्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

घरेलू विवादों में कोर्ट जाने से पहले मिलेगी काउंसलिंग:भोपाल में शुरू हुआ कानूनी मार्गदर्शन केंद्र; सलाह और बातचीत से विवाद सुलझाने की पहल

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

घरेलू विवाद हो या दूसरे सामाजिक और कानूनी मसले, छोटी-छोटी समस्याओं के लिए लोगों को अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई मामलों में कानूनी प्रक्रिया लंबी होने के साथ लोगों का पैसा और समय भी खर्च होता है। ऐसे मामलों में अदालत जाने से पहले काउंसलिंग और कानूनी मार्गदर्शन के जरिए समाधान तलाशने की पहल की गई है। नेशनल सोशल जस्टिस अलायंस ने भोपाल में इस दिशा में अपना प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत वकीलों और अन्य सहयोगियों की टीम लोगों को कानूनी सलाह, काउंसलिंग और उनके अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराएगी।

कमला पार्क स्थित मस्जिद फैज बहादुर परिसर की पहली मंजिल पर संचालित इस कार्यालय में घरेलू विवादों के मामले प्राथमिकता से लिए जाएंगे। इसके अलावा सामाजिक समस्याओं, मानव अधिकारों से जुड़े मुद्दों और अन्य कानूनी मामलों में भी लोगों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। संस्था का प्रयास है कि जिन विवादों का समाधान आपसी बातचीत और काउंसलिंग से संभव है, उनमें लोगों को अनावश्यक रूप से अदालतों की लंबी प्रक्रिया से न गुजरना पड़े।



घरेलू विवादों के मामले ज्यादा

नेशनल सोशल जस्टिस अलायंस के कोऑर्डिनेटर नबील बारी ने बताया कि अभी तक उनके पास सबसे ज्यादा घरेलू विवादों से जुड़े मामले आए हैं। इसके अलावा दूसरे कानूनी और सामाजिक मुद्दों पर भी लोग मदद मांग सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार सामान्य समस्याओं के समाधान के लिए भी लोग भटकते रहते हैं। ऐसे मामलों में काउंसलिंग के जरिए उन्हें सही रास्ता दिखाने और समस्या सुलझाने की कोशिश की जाएगी, ताकि लोगों की मेहनत की कमाई अनावश्यक कानूनी खर्चों में बर्बाद न हो।

कजियात के साथ मिलकर करेंगे काम

नबील बारी ने कहा कि कजियात अपने स्तर पर काम कर रही है, लेकिन लोगों की समस्याओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई मामलों में लोगों को अपेक्षित समाधान नहीं मिल पाता। ऐसे में टीमवर्क और बेहतर समन्वय की जरूरत है। संस्था कजियात के साथ मिलकर भी काम करना चाहती है। जहां मुफ्ती और आलिमों की सलाह की जरूरत होगी, वहां उनके माध्यम से भी लोगों को मदद दिलाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी राजनीतिक उद्देश्य से शुरू की गई पहल नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार और लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास है।

दिल्ली में भी खुलेगा कार्यालय राष्ट्रीय स्तर पर मदद देने की तैयारी

नबील बारी के मुताबिक, भोपाल में पहले ह्यन्यायधाराह्न नाम से स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालय शुरू किया गया था। अब नेशनल सोशल जस्टिस अलायंस के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर लोगों की समस्याओं पर काम करने की तैयारी है। इसके बाद वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स अलायंस के साथ भी काम आगे बढ़ाने की योजना है। संस्था जल्द ही दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का कार्यालय खोलने की तैयारी कर रही है, ताकि देशभर के लोग अपनी समस्याएं लेकर संपर्क कर सकें।

यहां पहुंचकर ले सकते हैं मार्गदर्शन

कार्यालय मस्जिद फैज बहादुर परिसर, कमला पार्क की पहली मंजिल पर संचालित है। यहां सातों दिन दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक काउंसलर और टीम के सदस्य उपलब्ध रहेंगे। नागरिक घरेलू विवाद, सामाजिक समस्याओं और कानूनी मामलों में सलाह और मार्गदर्शन के लिए संपर्क कर सकते हैं।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स, सिविक सेंटर, तीन बत्ती चौराहा, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें– ए–1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755–4515227, मोबाइल: 9893111784